घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 313- मंगलवार 15- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मध्य प्रदेश : खजराना गणेश का 7 करोड़ के स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार,चिंतामन में उल्टा स्वास्तिक की परंपरा

भोपाल,14 सितम्बर 2026। गणेश चतुर्थी पर सोमवार को घरों से लेकर मंदिरों और गणेश पंडालों तक गणपति उत्सव की शुरुआत हो रही है। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के खजराना गणेश मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये के स्वर्ण आभूषणों से बप्पा का श्रृंगार किया गया,जबकि बड़ा गणपति मंदिर में 101 किलो लड्डूओं का भोग लगाया जाएगा। उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में श्रद्धालु मनोकामना के लिए उल्टा स्वास्तिक बनाने की परंपरा निभाएंगे। मध्य प्रदेश में घरों से लेकर बड़े गणेश मंदिरों और पंडालों तक उत्सव की धूम मची हुई है। इंदौर के खजराना गणेश, बड़ा गणपति और उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में विशेष पूजन,श्रृंगार और दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश का स्वर्ण आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। इससे पहले रविवार को ब्रह्ममुहूर्त में भगवान को हीरे जड़ित नेत्र धारण कराए गए। गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर में सवा लाख मोदक का भोग भी लगाया गया। खजराना गणेश मंदिर में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान से प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने मंदिर में ध्वज पूजन भी किया। गणेश चतुर्थी के मौके पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और आयोजन किए जा रहे हैं। खजराना गणेश मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध गणेश मंदिरों में से एक है, जिसे वर्ष 1735 में होलकर वंश की महान महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। मान्यता है कि यहां भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है।

चिंतामन गणेश में उल्टा स्वास्तिक बनाने की परंपरा : उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था का अलग रंग देखने को मिलता है। मंदिर की खास परंपराओं में से एक मंदिर के पीछे उल्टा स्वास्तिक बनाना है। पुजारी गणेश गुरु के मुताबिक, विशेष रूप से संतान प्राप्ति की कामना लेकर आने वाले श्रद्धालु भगवान की पीठ की ओर उल्टा स्वास्तिक बनाकर अपनी मनोकामना मांगते हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद श्रद्धालु दोबारा मंदिर आते हैं।

बड़ा गणपति मंदिर में 101 किलो लड्डुओं का भोग

इंदौर के पश्चिम क्षेत्र में स्थित बड़ा गणपति मंदिर में इस बार गणेशोत्सव खास है। मंदिर को 125 साल पूरे हो रहे हैं। यहां भगवान गणेश की 25 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी अद्भुत प्रतिमा है। प्रतिमा 4 फीट चौड़े और 16 फीट लंबे चौकोर आसन पर विराजमान है,जो पांच फीट ऊंचा है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित धनेश्वर दाधिच के मुताबिक,गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में भक्त भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सोमवार को सवा मन शुद्ध गाय के घी से घर पर बनाए गए लड्डूओं का भोग भगवान को अर्पित किया जाएगा। इसमें 5 किलो के बड़े लड्डू से लेकर डिसेंडिंग ऑर्डर में लड्डूओं का भोग लगाया जाएगा,जो लगभग 101 किलो का होगा। इसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरण शुरू कर दिया जायेगा। भगवान गणेश की रोजाना रात 9 बजे एक घंटे की संगीतमय आरती होगी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर में आने और जाने के लिए अलग-अलग गेट बनाए गए हैं।

मंदसौर में एक शिला पर विराजमान द्विमुखी गणपति

मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में एक ही शिला पर बनी करीब 8 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा के दोनों ओर से दर्शन होते हैं। मंदसौर के द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर समिति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल के मुताबिक,प्रतिमा के उत्तरी भाग में पंचमुखी गणेश का स्वरूप है,जबकि दक्षिण दिशा में भगवान पगड़ीधारी सेठ के रूप में दर्शन देते हैं। इसी वजह से इन्हें 'सेठ गणेश' भी कहा जाता है।

उज्जैन : गणेश चतुर्थी पर गणेश स्वरूप में सजे बाबा महाकाल,भस्म आरती में रजत आभूषणों से हुए अलंकरण...

उज्जैन,14 सितम्बर 2026। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पट सुबह चार बजे खुले। पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध,दही,घी,शहद,शक्कर और फलों के रस से तैयार पंचामृत से अभिषेक-पूजन किया गया। गणेश चतुर्थी पर बाबा महाकाल को रजत आभूषण धारण कराए गए। भांग और चंदन से लेपन कर त्रिपुंड लगाया गया। इसके बाद भगवान का गणेश स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार किया गया। मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्पों के साथ रुद्राक्ष और पुष्प मालाओं से बाबा का अलंकरण किया गया। भस्म अर्पण से पहले प्रथम घंटाल बजाकर मंत्रोच्चार के बीच भगवान का ध्यान किया गया। हरिओम का जल अर्पित करने के बाद कपूर आरती हुई। इसके पश्चात ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्म अर्पित की गई। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म आरती के बाद बाबा को शेषनाग का रजत मुकुट,रजत मुण्डमाला और रुद्राक्ष की माला धारण कराई गई। भस्म आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। बाबा महाकाल के गणेश स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। भगवान को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन किए और उनके कान में अपनी मनोकामना कही। इस दौरान मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंजता रहा। महाकाल मंदिर की परंपरा में भस्म आरती का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। इसी आस्था के साथ श्रद्धालु भस्म आरती में शामिल होकर बाबा के दर्शन करते हैं।

दिल्ली दंगा केस में कोर्ट ने 5 और दोषी ठहराया

कहा...भीड़ के साथ पुलिस पर पथराव किया मामले में अब तक 26 लोगों पर आरोप साबित

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2026। दिल्ली दंगा मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने 5 और आरोपियों को दोषी ठहराया है। अदालत ने भजनपुरा पेट्रोल पंप हिंसा मामले में फैसला सुनाते हुए माना कि आरोपियों की भीड़ ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों पर पथराव और हमला किया था। इस नए फैसले के साथ ही दंगों से जुड़े अलग-अलग मामलों में अब तक कुल 26 आरोपियों को अदालत दोषी ठहरा चुकी है। हालांकि,कोर्ट ने पेट्रोल पंप में आग लगाने के आरोप से सभी पांचों को बरी कर दिया। कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज परवीन सिंह ने आरिफ,मोहम्मद खालिद,अब्दुल सत्तार, तनवीर अली और हुनैन के खिलाफ यह आदेश दिया। कोर्ट ने ये आदेश 9 सितंबर को दिया था लेकिन मामला सामने आया है। अभी कोर्ट ने सजा नहीं सुनाई है। ये सभी आरोप आईपीएस की धारा 147, 152, 186 और 353 के तहत हैं। इन्हें गैरकानूनी सभा से जुड़ी आईपीएस की धारा 149 के साथ पढ़ा गया है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हिंसा भड़की थी। इसमें 53 लोगों की मौत हुई थी। कोर्ट ने कहा कि दोषियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके। हमला इतना हिंसक था कि पुलिसकर्मियों को पेट्रोल पंप की दीवार फांदकर भागना पड़ा। कोर्ट में कहा गया कि 24 फरवरी 2020 को दोपहर करीब 2 बजे भजनपुरा पेट्रोल पंप पर बड़ी भीड़ जुटने की जानकारी मिली थी। यह पेट्रोल पंप यमुना विहार सर्विस रोड पर था और इसे दिल्ली डीजल्स के नाम से भी जाना जाता है। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने 100 से 150 लोगों को देखा। ये लोग चांद बाग की तरफ से सड़क का डिवाइडर तोड़कर पेट्रोल पंप की ओर आए थे। भीड़ हिंसक हो गई और उसने पथराव किया। भीड़ ने पेट्रोल पंप की मशीनों में तोड़फोड़ कीऔर पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

मणिपुर में फिर हिंसा : संदिग्ध उग्रवादियों की गोलाबारी में 2 महिलाओं समेत 4 की मौत

इंफाल,14 सितम्बर 2026। मणिपुर में हिंसा पूरी तरह थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के तामेंगलोंग और नोनी जिलों में रविवार को 2 अलग-अलग संदिग्ध उग्रवादी हमलों में 2 महिला समेत कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं,एक 6 साल के बच्चे को गोली लगी है। पुलिस के अनुसार, तामेंगलोंग में घटना सुबह करीब 4 बजे हुई, जिसमें 2 लोगों की मौत हुई। 12 घंटे बाद नोनी में भी 2 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि पहली घटना सुबह करीब 5:30 बजे तामेंगलोंग जिले के कैमाई थाना क्षेत्र के टोलन गांव में हुई। इस घटना में 46 वर्षीय लिंगजंगाई सिंगसिट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति सेनेह सिंगसिट ने अस्पताल ले जाते हुए दम तोड़ दिया। उनके 6 साल के बेटे को भी गोली लगी, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल उसका सिलचर मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। दूसरी घटना नोंगबा थाने के अंतर्गत आने वाले लॉन्गपी गांव में हुई। यहां दोपहर करीब 3 बजे हथियारबंद उग्रवादियों ने एक महिला और एक पुरुष की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान जूली गंगटे और आर गंगटे के रूप में हुई है। नोगंबा पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, लोंगपी गांव थाने से लगभग 30 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। सड़क की खराब हालत के कारण कोई भी पुलिसकर्मी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाया है। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इन घटनाओं पर दुख जताते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ हिंसा कायरतापूर्ण कृत्य है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, निर्दोष नागरिकों के खिलाफ हिंसा पूरी तरह से कायरता है। ऐसी घिनौनी हरकत बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और हमारे समाज में इनका कोई स्थान नहीं है। कैमाई विलेज अथॉरिटी सहित कई संगठनों, विधायकों और नेताओं ने भी इन हमलों की निंदा की है। यह घटनाएं ऐसे दिन हुई,जब मणिपुर में कुकी समुदाय हर साल 13 सितंबर को साहनीत नी यानि ब्लैक डे मनाता है। यह 1990 के दशक में हुए कुकी-नागा संघर्ष में मारे गए लोगों की याद में मनाया जाता है।

भारतीय जहाज 'मैसूर' ने मलेशिया के समुद्री अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण' में हिस्सा लिया

दोनों नौसेनाओं के बीच अनुभव साझा करने और आपसी समझ को बढ़ावा मिला

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2026। ऑपरेशनल तैनाती के हिस्से के तौर पर भारतीय जहाज'मैसूर'ने मलेशिया के लुमुट में रॉयल मलेशियन नेवी के साथ एक्सरसाइज'समुद्र लक्ष्मण'के चौथे संस्करण में हिस्सा लिया। इस अभ्यास ने भारतीय नौसेना और रॉयल मलेशियन नेवी को कई तरह की प्रोफेशनल और ऑपरेशनल गतिविधियों में शामिल होने का मौका दिया। बंदरगाह चरण में दोनों नौसेनाओं के बीच प्रोफेशनल लेन-देन और बातचीत हुई, जिससे अनुभव साझा करने और आपसी समझ को बढ़ावा मिला। नौसेना के मुताबिक यह जुड़ाव समुद्र में ऑपरेशनल फेज तक आगे बढ़ा, जिसके दौरान आईएनएस मैसूर ने रॉयल मलेशियन नेवी के जहाजों केडी लेकिर और केडी गगाह समुद्री अभ्यास किया। हिस्सा लेने वाले जहाजों ने मिलकर समुद्री बदलाव किए, जिससे इंटर ऑपरेबिलिटी बढ़ाने,ऑपरेशनल तालमेल को बेहतर बनाने और एक साथ असरदार तरीके से काम करने की उनकी क्षमता को मजबूत करने का मौका मिला। इस अभ्यास का पूरा होना भारत और मलेशिया के बीच नेवल सहयोग की बढ़ती गहराई और मैच्योरिटी को दिखाता है। यह दोनों समुद्री सेनाओं के बीच बेहतर ऑपरेशनल समझ बनाने में लगातार प्रोफेशनल जुड़ाव और प्रैक्टिकल सहयोग की अहमियत को भी दिखाता है।

नौसैन्य अभ्यास 'समुद्र लक्ष्मण' भारत-मलेशिया की बढ़ती समुद्री पार्टनरशिप में एक और अहम जुड़ाव है। एक जुलाई को हुई 12 वीं भारत-मलेशिया सब कमेटी मीटिंग समेत हाल की द्विपक्षीय मुलाकातों से बनी तेजी को आगे बढ़ाते हुए इस अभ्यास ने दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग की नींव को और मजबूत किया है। आईएनएस मैसूर भारतीय नौसेना की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में 9 सितंबर को मलेशिया के लुमुट पहुंचा था। आईएनएस मैसूर के चालक दल का रॉयल मलेशियन नौसेना के कर्मियों और मलेशिया में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने अत्यंत उत्साह के साथ स्वागत किया गया। 'समुद्र लक्ष्मण' अभ्यास में बंदरगाह और समुद्र में पेशेवर गतिविधियां शामिल रहीं,जिनमें क्रॉस-डेक दौरे, परिचालन संबंधी बातचीत और खेल गतिविधियां हैं।

नेपाल को बिजली निर्यात की मंजूरी

31 दिसंबर तक मिलेगी 654 मेगावाट तक आपूर्ति

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2026। केंद्र सरकार ने नेपाल को 31 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है। इसके तहत नेपाल विद्युत प्राधिकरण को कुल 654 मेगावाट तक बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 13 सितंबर से 31 दिसंबर 2026 तक मुजफ्फरपुर-ढल्केबार 400 केवी डबल सर्किट लाइन के माध्यम से 600 मेगावाट और टनकपुर-महेन्द्रनगर 132 केवी सिंगल सर्किट लाइन के जरिए 54 मेगावाट तक बिजली निर्यात की अनुमति दी गई है। जनवरी 2027 से निर्यात की जाने वाली बिजली की मात्रा की समीक्षा दिसंबर 2026 में की जाएगी। मंत्रालय के अनुसार, हाल में आई बाढ़ से नेपाल की जलविद्युत परियोजनाओं को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे वहां घरेलू बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है और अतिरिक्त बिजली की आवश्यकता पैदा हुई है। भारत की ओर से दी गई यह मंजूरी नेपाल की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करेगा। भारत ऊर्जा क्षेत्र में नेपाल को सहयोग देने और द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीएमसी से निकले 17 बागी सांसद भाजपा में शामिल होंगे,3 बाहर से करेंगे एनडीए का समर्थन

कोलकाता,14 सितम्बर 2026। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए 20 बागी सांसदों में से 17 सांसद भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के बागी नेता और कूच बिहार से सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने यह दावा किया है। उनके अनुसार,ये सांसद दुर्गा पूजा के आसपास भाजपा में शामिल हो सकते हैं। बसुनिया ने कहा कि सभी 17 सांसद एक साथ भाजपा में शामिल होने का निर्णय ले चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि दो-तिहाई से अधिक सांसदों के एक साथ दल बदलने की स्थिति में दलबदल विरोधी कानून के तहत उनकी सदस्यता पर अयोग्यता का प्रावधान लागू नहीं होगा। बसुनिया के मुताबिक, 20 सांसदों में से कम से कम 14 सांसदों का समर्थन किसी दल में विलय के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 17 सांसद एक साथ भाजपा में शामिल होंगे, इसलिए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता का खतरा नहीं रहेगा। दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों के अनुसार, किसी विधायक दल या संसदीय दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों के किसी अन्य दल में विलय का समर्थन करने पर संबंधित सदस्यों को अयोग्यता से छूट मिल सकती है। बसुनिया ने यह भी दावा किया कि अबू ताहेर खान,खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान सहित तीन सांसद भाजपा में शामिल होने के बजाय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बाहर से समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि इन सांसदों को आगे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां या मंत्रालयों में पद दिए जा सकते हैं।

हिंदी का दूसरी भाषाओं से कॉम्पिटिशन नहीं...विविधता देश की ताकत, युवा दुनियाभर की भाषाएं सीखें,लेकिन अपनी मातृभाषा न छोड़ें : शाह

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2026। गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी दिवस पर अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि हिंदी का दूसरी भारतीय भाषाओं से कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है और हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और संस्कृति लेकर चलती है। शाह ने युवाओं से दुनिया की ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखने, लेकिन अपनी मातृभाषा न छोड़ने की अपील की। उन्होंने माता-पिता से भी बच्चों से मातृभाषा में बात करने को कहा। शाह के मुताबिक, अपनी भाषा बोलने को लेकर हीन भावना नहीं होनी चाहिए, क्योंकि भाषा ही लोगों को उनकी मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारतीय भाषाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास को लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। शाह ने हिंदी को आगे बढ़ाने में स्वामी दयानंद सरस्वती,महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का भी जिक्र किया। आजादी के बाद भारतीय भाषाओं की भूमिका शाह ने कहा...आजादी के बाद भारतीय भाषाएं राष्ट्र निर्माण, प्रशासन और विकास को आम लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बनीं। हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं ने जनजागरण,राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के आदर्शों को आगे बढ़ाया। गृह मंत्री ने कहा- मेरी मातृभाषा गुजराती है। लेकिन जब मैं देश के किसी भी कोने में जाता हूं,तो वहां के आम लोगों से सीधे जुड़ने वाली भाषा हिंदी होती है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से औपनिवेशिक मानसिकता की गुलामी से मुक्ति का आह्वान किया है।

गैर-हिंदी भाषी महापुरुषों ने भी दिया योगदान

शाह ने कहा...स्वामी दयानंद सरस्वती की मातृभाषा गुजराती थी, फिर भी उन्होंने 'सत्यार्थ प्रकाश' हिंदी में लिखा। महात्मा गांधी ने 1918 में मद्रास में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। नेताजी सुभाष चंद्र बोस बंगाली भाषी थे, फिर भी उन्होंने आजाद हिंद फौज में हिंदी को संवाद की भाषा बनाया और देश को 'जय हिंद' का नारा दिया।

रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में दावा...एलएसी पर चीनी सेना की तैनाती में आई कमी

रक्षा मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर दिया...

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2026। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विपक्षीय वार्ता में भले ही सीमा विवाद का मुद्दा न उठा हो,लेकिन रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर चीनी सेना की तैनाती में काफी कमी आने की बात कही गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत और चीन के बीच राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर द्विपक्षीय बातचीत से उत्तरी सीमाओं पर सकारात्मक विकास हुआ है। साथ ही रक्षा मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायु सेना की भूमिका पर जोर दिया है। यह रिपोर्ट चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट से घर लौटने के एक दिन बाद आई है। रक्षा मंत्रालय ने 2025-26 के लिए अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि भारतीय सेना ने उत्तरी सीमाओं को सुरक्षित किया। भारत और चीन के बीच राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य स्तर पर आपसी

बातचीत से भी अच्छे संबंध विकसित हुए, जिससे स्थिरता आई। रिपोर्ट में दोनों देशों के बीच बढ़े हुए राजनयिक और सैन्य जुड़ाव के बारे में बताते हुए कहा गया है कि दोनों देश दुश्मनी के बजाय पार्टनरशिप और शांति से मतभेदों को सुलझाने की प्रतिबद्धता चाहते हैं। यह भी बताया गया है कि भारत के लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) और ट्रेनिंग एरिया में 10 ब्रिगेड साइज की सेना तैनात करने के कदम के बाद उत्तरी बॉर्डर पर चीनी सेना की तैनाती में काफ़ी कमी आई है। सालाना रिपोर्ट में कहा गया है कि एलएसी के साथ सभी सेक्टर में भारतीय सेना अच्छी तरह से तैनात और किसी भी अचानक आने वाली स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। वर्ष 2025 में उत्तरी मोर्चे पर पूरी स्थिति के बारे में बताते हुए रक्षा मंत्रालय ने कहा...कि अलग-अलग लड़ाकू ब्रांच जैसे पैदल सेना, टैंक, आर्टिलरी और एयर डिफेंस एक ही छत के नीचे स्वतंत्र रूप से और सबसे असरदार तरीके से लड़ने के लिए तैनात हैं। साल 2025 में उत्तरी बॉर्डर के दूसरी तरफ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती में काफी कमी देखी गई है।

संपादकीय

हुनर तय करेगा भविष्य

आज भारत के किसी भी जॉब फेयर में चले जाइए,आपको दो तरह के युवा दिखाई देंगे। एक वह जिसके पास डिग्रियों और प्रमाण पत्रों से भरी फाइल है। दूसरा वह जिसके पास डिग्रियां शायद कम हों,लेकिन वह वेबसाइट बना सकता है,डाटा का विश्लेषण कर सकता है,कोई मशीन ठीक कर सकता है या एआइ टूल का इस्तेमाल करके घंटों का काम मिनटों में निपटा सकता है। आज कंपनियों के लिए यह सवाल पुराना हो चुका है कि आपने क्या पढ़ाई की है। अब असली सवाल यह है कि आप व्यावहारिक रूप से क्या कर सकते हैं। भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार भले ही एक बड़ी उपलब्धि रहा हो,लेकिन डिग्रियों और वास्तविक रोजगार के बीच की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2026 रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 25 साल के स्नातकों में बेरोजगारी की दर लगभग 40 फीसदी के करीब है। जब लाखों युवा डिग्रियां हासिल करने के बाद भी सार्थक काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हों,तो हमें यह सोचना ही पड़ेगा कि क्या हम शिक्षा की सफलता का सही आकलन कर रहे हैं।

डिग्री दुनिया को यह बताती है कि आपने क्या पढ़ा है,जबकि हुनर यह दिखाता है कि आप उस पढ़ाई से क्या कर सकते हैं। इस समस्या की जड़ केवल बेरोजगारी नहीं है,बल्कि ज्ञान के पुराना होने की असाधारण गति है। एक पीढ़ी पहले तक कोई भी तकनीक सालों तक प्रासंगिक बनी रहती थी,लेकिन एआइ के इस दौर में हर कुछ हफ्तों में नए टूल्स और क्षमताएं सामने आ रही हैं। ऐसे में जो ज्ञान छात्र चार साल की डिग्री की शुरुआत में हासिल करते हैं,वह स्नातक होने तक पुराना पड़ चुका होता है। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की रिपोर्ट भी चेतावनी देती है कि इस दशक के अंत तक कर्मचारियों के लगभग 39 प्रतिशत कोर स्किल्स बदल जाएंगे। इसलिए,आज के समय का सबसे बड़ा हुनर किसी एक साफ्टवेयर या भाषा में महारत हासिल करना नहीं,बल्कि तेजी से नया सीखने, पुरानी हो चुकी बातों को भूलने और लगातार खुद को अपडेट करने की क्षमता है।

हमारी शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि तकनीक महीनों की रफ्तार से बदल रही है,जबकि पाठ्यक्रम को बदलने में सालों लग जाते हैं। केवल एआइ साक्षरता ही काफी नहीं होगी,बल्कि हमें छात्रों और संस्थानों को उस भविष्य के लिए तैयार करना होगा जहां एआइ स्वास्थ्य,शिक्षा,खेती और निर्माण जैसे हर क्षेत्र को नया रूप दे रहा है। आज हर पेशा हाइब्रिड बन रहा है। एक डाक्टर,इंजीनियर,शिक्षक या पत्रकार को अपने मूल विषय के ज्ञान के साथ-साथ डिजिटल और एआइ टूल्स की समझ रखनी ही होगी। इस बदलते दौर में भारतीय अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। बच्चों से केवल यह पूछने के बजाय कि वे कौन सी डिग्री ले रहे हैं,यह भी पूछना होगा कि वे व्यावहारिक रूप से क्या करके दिखा सकते हैं। एआई को सिर्फ रोजगार के खतरे के रूप में देखने के बजाय इसे अपनी उत्पादकता बढ़ाने वाले उपकरण की तरह इस्तेमाल करना सीखना होगा। इसके साथ ही,जैसे-जैसे मशीनें अधिक बुद्धिमान होंगी,इंसानी क्षमताएं जैसे कि संवाद,नेतृत्व,रचनात्मकता,सहानुभूति और नैतिकता और भी अधिक मूल्यवान होती जाएंगी। भारत की युवा आबादी देश के लिए आर्थिक वरदान तभी साबित हो सकती है जब उसे व्यावहारिक हुनर और तकनीक से लैस किया जाए। भविष्य केवल डिग्रियां जमा करने वालों का नहीं,बल्कि तेजी से सीखने और खुद को ढालने वालों का होगा। डिग्री आपके लिए पहला दरवाज़ा भले ही खोल दे,लेकिन आगे का रास्ता लगातार सीखते रहने की आपकी क्षमता ही तय करेगी।

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया : आधुनिक भारत की विकास-गाथा के महान शिल्पी

एक अभियंता की सोच,जिसने बदल दी राष्ट्र निर्माण की दिशा

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में 'इंजीनियर्स डे' (अभियंता दिवस) मनाया जाता है और आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। दरअसल आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों,पुलों,सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं। इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है,जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है। देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध,पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध,ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए। हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी 'फादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेट'कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स,स्टेट बैंक ऑफ मैसूर,विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग,परजीवी प्रयोगशाला,श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी,सेंचुरी

क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी।

विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह को समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घर-घर में प्राकृतिक जल स्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी। तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी। उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया। 1955 में उन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एम विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है।

शुरुआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एल.सी.ई. और एफ.सी.ई. परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया। विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे,जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे। 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे। कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे। अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायर' से सम्मानित किया गया था। विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूर के 19वें दीवान रहे।

1903 में विश्वेश्वरैया ने पुणे के खड़कवासला जलाशय में ऐसा बांध बनवाया,जिसमें इस्पात के ऐसे दरवाजे थे,जो बाढ़ के दबाब को भी झेल सकते थे और इससे बांध को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता था। उस बांध की सफलता के बाद उन्होंने ग्वालियर में तिगरा बांध भी बनवाया। 1932 में कावेरी नदी पर बने कृष्णा राज सागर बांध के निर्माण परियोजना में वे चीफ इंजीनियर थे। हालांकि उस बांध के निर्माण का कार्य बेहद कठिन कार्य था क्योंकि उस समय देश में सीमेंट का उत्पादन नहीं होता था लेकिन दृढ़ इरादों के धनी विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरों के साथ मिलकर सीमेंट से कहीं ज्यादा मजबूत 'मोर्टार' तैयार किया और उससे उस बांध का निर्माण कराया, जिसमें कावेरी,हेमावती और लक्ष्मण तीर्थ नदियां आपस में मिलती है। उस समय इस बांध को एशिया का सबसे बड़ा बांध कहा जाता था। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऐसे ही अद्‌भुत कार्यों के कारण विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को उन्हें सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 14 अप्रैल 1962 को 101 वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया का निधन बेंगलुरू में हुआ।

भारत में जहां प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है, वहीं कई अन्य देशों में भी यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है। यह दिवस ईरान में 24 फरवरी,बेल्जियम में 20 मार्च,आइसलैंड में 10 अप्रैल, बांग्लादेश में 7 मई,पेरू में 8 जून, इटली में 15 जून,अर्जेंटीना में 16 जून, मैक्सिको में 1 जुलाई, कोलम्बिया में 17 अगस्त, रोमानिया में 14 सितम्बर और तुर्की में 5 दिसम्बर को मनाया जाता है। वैसे भारत सहित सभी देशों में इस दिवस के आयोजन का मूल उद्देश्य अपने देश के इंजीनियरों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा उनके कार्य की सराहना करना ही है।

इंजीनियरिंग के कल से आज और आज से कल तक

बदलते औजारों के बीच इंजीनियरिंग की असली परीक्षा

मिट्टी,पत्थर से डेटा तक... इंजीनियरिंग का बदलता सफर

प्रो.आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

हर युग अपनी पहचान अपने निर्माणों से छोड़ता है;लेकिन आने वाला समय यह पूछेगा कि इन निर्माणों ने इंसान की जिंदगी को कितना बेहतर बनाया। पुराने इंजीनियरों ने सड़कें,बाँध,रेल और कारखाने बनाए;नई पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और डिजिटल दुनिया रच रही है। कभी उसके हाथ में मिट्टी,पत्थर और लोहा था,आज डेटा,एल्गोरिद्म और स्क्रीन हैं। साधन बदल गए,जिम्मेदारी वही है...तकनीक जीवन आसान बनाए,इंसान को उसका गुलाम नहीं। इंजीनियर्स डे केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं,भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। हर नए निर्माण से पहले सवाल होना चाहिए–क्या यह केवल बन सकता है,या बनना भी चाहिए? क्योंकि राष्ट्र की वास्तविक प्रगति निर्माणों की ऊँचाई से नहीं, लोगों के सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन से मापी जाती है।

पुराने इंजीनियरों का समय कम चमकीला था,शायद इसलिए उनमें चमक अधिक थी। वे नदी के किनारे उसकी चाल समझते,खेतों की धूल में उतरते,पहाड़ काटते और नींव में जाकर देखते थे कि धरती कितना भार सह सकती है। उनकी गणना में बारिश, पानी,मिट्टी और भार का हिसाब होता था; ठेकेदार का कमीशन नहीं। वे सड़क बनाते थे तो श्रेय सड़क को देते थे,खुद को नहीं। उनकी डायरी में आँकड़े थे,आत्मप्रचार नहीं। राष्ट्र उनके लिए कोई प्रस्तुति नहीं, निर्माणाधीन जिम्मेदारी था। वे जानते थे कि एक गलत कोण वर्षों की मेहनत को मलबे में बदल सकता है। इसलिए इंजीनियरिंग उनके लिए नौकरी नहीं, जिम्मेदारी थी।

आज का इंजीनियर भी कम प्रतिभाशाली नहीं;उसके औजार बदल गए हैं। वह ऐसी दुनिया रच रहा है जहाँ शहर,घर और फोन स्मार्ट हैं...कभी-कभी मनुष्य को छोड़कर। ऐप एक क्लिक में खाना पहुँचा देता है,पर यह नहीं पूछता कि उसे खरीदने की क्षमता कितनों के पास है। स्मार्ट सिटी के कैमरे हर चेहरा पहचान लेते हैं,पर पानी की कतार में खड़े चेहरे को नहीं। डेटा समुद्र-सा बढ़ रहा है,समझ कुएँ-सी सूख रही है। पुराने इंजीनियर बाँध बनाकर बाढ़ रोकते थे,आज के इंजीनियर उसका लाइव डैशबोर्ड बना सकते हैं। सुविधा बढ़ी है,पर क्या मनुष्य भी उतना ही सुरक्षित, सम्मानित और सुखी हुआ है?

इंजीनियरिंग का विचित्र विरोधाभास है...

इंजीनियर सुविधा बनाता है और फिर उसका गुलाम बन जाता है। पहले सर्वे के लिए धूप में चलना पड़ता था,अब उपग्रह तस्वीर भेज देता है। पहले रस्सी और पैमाने से नापते थे,अब सेंसर है। पहले चिट्ठी जाती थी,अब संदेश सेकंड में पहुँचता है। फिर भी मनुष्य के पास एक-दूसरे के लिए समय कम है। पहले प्रोजेक्ट की सफलता थी...सड़क टिके, पुल भार सहे और बिजली गाँव पहुँचे। अब उसमें प्रस्तुति,ब्रांडिंग,निवेश और लाइक्स भी जुड़ गए हैं। पहले इंजीनियर पूछता था...यह टिकेगा कितने साल? आज बाजार पूछता है...यह बिकेगा कितने दिन? गणित वही है,पर गणना का उद्देश्य बदल गया है।

इंजीनियर समस्या हल करता है,यही उसकी ताकत है;हर समाधान नई समस्या भी ला सकता है,यही उसकी चुनौती है। नहरों से खेत हरे हुए,पर विकास का लाभ सब तक नहीं पहुँचा। इंटरनेट ने ज्ञान की दीवारें तोड़ीं,तो अफवाहों के दरवाजे भी खोल दिए। मशीन ने श्रम घटाया, पर निर्भरता बढ़ा दी। एल्गोरिद्म हमारी पसंद समझने लगा और धीरे-धीरे तय भी करने लगा। इंजीनियर ने मशीन बनाई,मशीन ने आदत बनाई और आदत ने मनुष्य को उपयोगकर्ता बना दिया। यह प्रगति है या उसका विज्ञापन... फैसला विवेक करेगा। क्योंकि जो तकनीकी रूप से संभव है,जरूरी नहीं कि सामाजिक रूप से उचित भी हो।

आज इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी जरूरत नई मशीन नहीं,पुरानी नैतिकता है। पुल की डिजाइन में भार की सीमा तय होती है;समाज पर लालच, लापरवाही और स्वार्थ का भार कौन तय करेगा? कोड में गलती हो तो सिस्टम रुकता है,चरित्र में हो तो व्यवस्था चलती रहती है...गलत दिशा में। भ्रष्टाचार,घटिया निर्माण और कागज पर पूरे, जमीन पर अधूरे प्रोजेक्ट मनुष्य की त्रुटियाँ हैं। इंजीनियर को तकनीकी दक्षता के साथ सामाजिक विवेक चाहिए। नक्शे पर सीधी रेखा आसान है, पर उसके रास्ते में घर, खेत, पेड़ और लोगों की जिंदगी होती है। असली इंजीनियर वही है, जिसकी गणना में इंसान की सुरक्षा और गरिमा भी हो। पंद्रह सितंबर केवल इंजीनियरों को राष्ट्र निर्माता कहने का दिन नहीं; यह पूछने का दिन है...राष्ट्र किसका बन रहा है और उसमें कौन सुरक्षित रहेगा? पुराने इंजीनियरों ने लोहे-सीमेंट से भारत की आधारभूत संरचना खड़ी की;नए इंजीनियरों को डेटा-तकनीक से उसका मानवीय भविष्य बनाना है। पुल किनारों के साथ समुदायों को जोड़ें; तकनीक समय बचाने के साथ जीवन बेहतर करे। इंजीनियर की असली परीक्षा मशीन में नहीं,लोगों की जिंदगी में आए बदलाव में है। सबसे बड़ी उपलब्धि नाम वाली परियोजना नहीं,बल्कि वह जीवन है जो उसके काम से अधिक सुरक्षित,सक्षम और सम्मानजनक हुआ हो।

आखिर इंजीनियरिंग की सबसे कठिन गणना है–तकनीक की दौड़ में मनुष्य कितना बचा? पुल की मजबूती स्टील, भवन की कंक्रीट और सर्वर की क्षमता डेटा से मापी जा सकती है; लेकिन सभ्यता की मजबूती संवेदना से। इंजीनियर के सामने चुनौती केवल तकनीकी समाधान की नहीं, यह तय करने की भी है कि वह समाज और मनुष्य के लिए कितना उपयोगी, सुरक्षित और न्यायपूर्ण है। हर नई तकनीक सुविधा के साथ निर्भरता और जोखिम भी लाती है। अब फैसला है–तकनीक मनुष्य की सहायक बनेगी या मनुष्य उसका पुर्जा? इंजीनियर्स डे पर सम्मान यही होगा कि हर नया ढाँचा खड़ा करने से पहले इंजीनियर पूछे...क्या यह केवल बन सकता है,या बनना भी चाहिए? क्योंकि राष्ट्र की मजबूत इमारत वही है, जिसकी नींव में तकनीक के साथ मनुष्यता भी सुरक्षित हो।

दशलक्षण पर्व : धर्म के दस पड़ाव,खुद से मिलने की एक यात्रा

दशलक्षण पर्व : धर्म की परंपरा से जीवन के परिवर्तन तक

क्षमा से संयम तक : दशलक्षण क्यों आज पहले से ज्यादा जरूरी है

कृति आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

आज मनुष्य घर,वस्तुओं और परिवेश को साफ रखने में जितना सजग है,उतना ही अपने भीतर की अशांति से अनजान है। दिगंबर जैन समाज का दशलक्षण पर्व इसी भीतर की सफाई का अवसर है। 16 से 25 सितंबर तक चलने वाला यह पर्व क्रोध,अहंकार, छल,लोभ और आसक्ति जैसी प्रवृत्तियों को पहचानने और संयमित करने की प्रेरणा देता है। भौतिक सुविधाएं बढ़ने के बावजूद यदि मन अशांत और रिश्ते कमजोर हैं,तो कमी बाहर नहीं,भीतर है। दशलक्षण पर्व इसी सत्य की ओर लौटने और अपने विचार,व्यवहार व जीवन को परखने का अवसर देता है।

दशलक्षण की शक्ति उसके दस नामों में नहीं,उन जीवन-सूत्रों में है जो मनुष्य की कमजोरियों को चुनौती देते हैं। उत्तम क्षमा,मार्दव,आर्जव,शौच,सत्य,संयम, तप,त्याग,आकिंचन्य,ब्रह्मचर्य–ये किसी आदर्शलोक की बातें नहीं,जीवन की जरूरत हैं। क्रोध के समय क्षमा, अहंकार के बीच मार्दव,छल के बीच आर्जव और झूठ के शोर में सत्य की जरूरत है। शौच मन और शरीर की निर्मलता,संयम और तप इच्छाओं पर अंकुश,त्याग और आकिंचन्य संग्रह-वृत्ति से मुक्ति तथा ब्रह्मचर्य आत्म नियंत्रण का बोध कराते हैं। इसलिए इन दस धर्मों का क्रम केवल धार्मिक विधान नहीं,बल्कि मनुष्य के चरित्र को भीतर से अनुशासित करने की सुविचारित प्रक्रिया है।

मनुष्य दूसरों की गलतियां गिनने में जितना तत्पर रहता है,उतना अपने भीतर झांकने में नहीं। दशलक्षण पर्व इसी आदत को बदलने का अवसर देता है। दिगंबर दर्शन में कर्म-सिद्धांत इसकी दार्शनिक आधारभूमि है–हर विचार और कर्म आत्मा पर सूक्ष्म कर्म-आवरण डालता है,जो दुख और पुनर्जन्म के बंधन का कारण बनता है। इसलिए पर्व में आत्मनिरीक्षण महत्वपूर्ण है। व्यक्ति अपने व्यवहार का लेखा-जोखा करता है,भूल स्वीकारता है और सुधार का संकल्प लेता है। इसका सामाजिक प्रभाव भी स्पष्ट है–जिम्मेदारी स्वीकारने से दोषारोपण और संघर्ष घटते हैं। इस दृष्टि से कर्म-सिद्धांत केवल पाप-पुण्य का विचार नहीं,बल्कि जिम्मेदार जीवन

जीने का प्रशिक्षण है।

जब बाजार हर इच्छा तुरंत पूरी करने का वादा कर रहा हो,तब उपवास प्रश्न उठाता है–क्या हर इच्छा पूरी होना जरूरी है? दशलक्षण में तप और उपवास इसी प्रश्न का उत्तर खोजते हैं। दिगंबर अनुयायी अपनी क्षमता और संकल्प के अनुसार पूर्ण या आंशिक व्रत अपनाते हैं। उद्देश्य शरीर को कष्ट देना नहीं, इंद्रियों पर नियंत्रण पाना है। इच्छा रोकना मन को यह बोध कराता है कि वह इच्छाओं का गुलाम नहीं। ध्यान, स्वाध्याय और तत्त्वार्थ सूत्र जैसे ग्रंथों के अध्ययन से ज्ञान गहराता है। अधिक भोजन,उपभोग और संग्रह के बढ़ते दबाव के बीच तप सिखाता है कि सुख वस्तुओं की अधिकता में नहीं, आवश्यकता की सीमा पहचानने में है। क्षमा मनुष्य द्वारा अपने लिए किया गया सबसे बड़ा उपकार है,क्योंकि वैर दूसरे से अधिक उसी मन को जलाता है जिसमें वह पलता है। दशलक्षण की क्षमापना इसी गांठ को खोलने का अवसर है। उत्तम क्षमा केवल औपचारिक उच्चारण नहीं,अपने किए-अनकिए अपराधों को स्वीकारने और संबंधों से कटुता हटाने का भाव है। क्षमा का पहला कदम अपनी भूल मानने का साहस है;यही उसे मनोवैज्ञानिक मुक्ति बनाता है। आज सोशल मीडिया के विवाद,कटु टिप्पणियां और मतभेद जल्दी वैमनस्य में बदलते हैं। ऐसे समय में क्षमा संबंधों को जोड़ने वाली शक्ति है...जहां अहंकार पीछे हटता है,वहीं संवाद की जगह बनती है। धर्म तब जीवंत होता है,जब वह व्यक्तिगत साधना से निकलकर समाज की सामूहिक चेतना बने। दशलक्षण के दौरान जिनालय दर्शन, सामूहिक पूजा, प्रवचन और साधु-साध्वियों का मार्गदर्शन इसी चेतना को मजबूत करते हैं। ये आयोजन केवल धार्मिक गतिविधियां नहीं, नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने के साझा मंच हैं। सामूहिक सहभागिता व्यक्ति को अकेलेपन से बचाती और मूल्यों पर टिके रहने का संबल देती है। यही चेतना अहिंसा में व्यापक होती है।

विद्या बुद्धि के दाता भगवान गणेश

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

साल 2026 में गणेश चतुर्थी यानी सोमवार,14 सितंबर को मनाई जा रही है,गणेश चतुर्थी हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक त्योहार है। जो भगवान गणेश जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन गणेश जी की प्रतिमा को देश के हर घर गली मोहल्ले व राज्य में पंडाल बनाकर स्थापित किया जाता है। गणेश चतुर्थी पर भक्त व्रत रखते है और जीवन में सफलता,खुशहाली व सुख-शांति की कामना करते हैं गणेश चतुर्थी हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। ये उत्सव पुरे भारत में मनाया जाता है। लेकिन खासतौर से महाराष्ट्र में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस उत्सव को माता पार्वती और भगवान शिव के प्यारे पुत्र गणेश जी के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी को विनायक चतुर्थी भी कहा जाता है। ये उत्सव गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना के बाद से शुरू होता है और लगातार दस दिनों तक चलता है। इस पूजा के दौरान भक्त गणेश जी को उनकी प्रिय मिठाई मोदक और लड्डू से भोग लगाते है और पूरी विधि-विधान से पूजा पाठ करते है। और 11वें दिन गणेश जी के मूर्ति को पानी में विसर्जित कर देते है गणेश जी के 4 रूप- (1) विद्या रूप-विद्या दो प्रकार की है,जो प्रत्यक्ष वस्तु दीखती है, उनकी गणना। जिसकी गणना की जा सके,वह गणेश है। अतः गणपति अथर्वशीर्ष में कहा है-त्वमेव प्रत्यक्षं ब्रह्माऽसि....। जो भाव रूप है या नहीं गिना जा सके वह रसवती = सरस्वती है। इनके बीच में पिण्डों के निकट रहने से उनको मिला कर एक रूप होने का बोध होता है-जैसे दूर-दूर के तारों में आकृति की कल्पना, या डौट-मैट्रिक्स प्रिण्टर में अलग-अलग विन्दुओं के मिलने से अक्षर की आकृति। ये विन्दु स्वेद (स्याही फैलने से) मिल जाते हैं अतः स्वेद ब्रह्म या सु-ब्रह्म हैं। अलग अलग पिण्डों का समूह प्रत्यक्ष (दृश्य) ब्रह्म है।

ॐ ब्रह्म ह वा इदमग्र आसीतस्य श्रान्तस्य तप्तस्य सन्तप्तस्य ललाटे स्नेहो यदार्द्र्यमजायत। महद् वै यक्षं सुवेदं अविदामह इति। एतं सुवेदं सन्तं स्वेद इति आचक्षते॥1॥सर्वेभ्यो रोमगर्त्तेभ्यः स्वेदधाराः प्रस्यन्दन्त।...अहं इदं सर्वं धारयिष्यामि....तस्मात् धारा अभवन॥2॥ (गोपथ ब्राह्मण पूर्व 1/1-2)

दृश्य जगत् के 4 व्यूह (क्षर,अक्षर,अव्यय और परात्पर,यापाञ्चरार के वासुदेव,संकर्षण,प्रद्युम्न, अनिरुद्ध) हैं और उनसे विश्व का भद्र बना है अतः गणेश पूजा भाद्र शुक्ल चतुर्थी को होती है। विश्व का मूल अव्यक्त रस है,अतः वेदाङ्ग ज्योतिष में प्रथम मास माघ था अतः माघ में होता है। विद्या का वर्गीकरण अपरा-विद्या अविद्या) रूप में 5 स्तर का है,अतः सरस्वती पूजा माघ शुक्ल पञ्चमी को है। पुर रूप में दृश्य तत्त्व पुरुष है,अतः गणेश पुरुष देवता हैं। रस रूप केवल क्षेत्र दीखता है,जो स्त्री या श्री है अतः रस-विद्या स्त्री रूप सरस्वती है। दोनों विपरीत रूप संवत्सर के विपरीत विन्दुओं पर 6 मास के बाद आते हैं। दो प्रकार के विद्या रूपों की स्तुति से तुलसीदास जी ने रामचरितमानस आरम्भ किया है...

वर्णानां अर्थ संघानां रसानां छन्दसां अपि। मङ्गलानां च कर्त्तारौ, वन्दे वाणी विनायकौ॥

यहां वर्णों,का संघ प्रथम संख्येय अनन्त है,अर्थ असंख्येय अनन्त हैं और रस या भाव अप्रमेय अनन्त हैं-अनन्त के ये 3 शब्द विष्णु-सहस्रनाम में प्रयुक्त हैं। (2) मनुष्य रूप-ब्रह्मा द्वारा लिपि निर्धारित करने के लिये जिनको अधिकृत किया गया उनको गणपति, अङ्गिरा, वृहस्पति आदि कहा गया है। ये अलग अलग युगों में भिन्न व्यक्ति थे।

गणानां त्वा गणपतिं हवामहे, कविं कवीनामुपमश्रवस्तम्। ज्येष्ठराजं ब्रह्मणा ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम्॥1॥ विश्वेभ्यो हित्वा भुवनेभ्यस्परि त्वष्टाजनत् साम्नः साम्नः कविः।

मूल लिपि त्रष्टा चिह्न (रेखा----) तथा चिद्-त्रष्टा (रेखा का सूक्ष्म भाग विन्दु) के मिलन से बना था। देवों के लक्षण रूप वर्ण बने, 33 देवों के लक्षण क से ह तक 33 व्यञ्जन थे,16 स्वर मिला कर 49 मरुत् हैं,तथा 3 संयुक्ताक्षर क्ष,त्र,ज्ञ मिला कर क्षेत्रज्ञ (आत्मा) है। बाकी वर्ण अ से ह तक अहम् (स्वयम्) हैं। विन्दु-रेखा के 3 जोड़े 2 घात 6 = 64 प्रकार के चिह्न बना सकते हैं,प्राचीन चीन की इचिंग लिपि,टेलीग्राम का मोर्स कोड या कम्प्यूटर की आस्की लिपि। अतः ब्राह्मी लिपि में 64 वर्ण हैं। आकाश में छन्द माप से सौर मण्डल का आकार 33 धाम है-3 पृथ्वी के भीतर और 30 बाहर, इनके पाण 33 देवता हैं। ब्रह्माण्ड (गैलेक्सी) का आकार 49 है,प्रत्येक क्षेत्र 1 मरुत् है,उसका आभा-मण्डल या गोलोक की माप 52 है अतः इस प्रकार के देव रूप वर्णों का न्यास या नगर देवनागरी कहलाता है।

स त्रुगाया चिदृणया ब्रह्मणस्पतिर्द्रुहो हन्तमह त्रहस्य धर्तरि॥17॥ (त्रक् 2/23/1, 17) देवलक्ष्मं वै त्र्यालिखिता तामुत्तर लक्ष्माण देवा उपादधत....

(तैत्तिरीय संहिता 5/2/8/3) (3) राज्य प्रमुख रूप-देश के लोगों का समूह गण है, उसका मुख्य गणेश या गणपति है। जैसे हाथी सूंढ़ से पानी खींचता है उसी प्रकार राजा भी प्रजा से टैक्स वसूलता है। मनुष्य हाथ से काम करता है अतः यह कर हुआ। हाथी का काम सूंढ़ से होता है, अतः वह भी कर हुआ। सूंढ़ क्रिया जैसा टैक्स वसूलते हैं, अतः टैक्स भी कर हुआ। कर वसूलने वाला या हाथी कराट है :-

तत् कराटाय च विद्महे हस्तिमुखाय धीमहि , तन्नो दन्ती प्रचोदयात् । (कृष्ण यजुर्वेदः - मैत्रायणी शाखा- अग्निचित् प्रकरणम् -119 -120) (4)

विश्व रूपमें गणेश-प्रत्यक्ष पिण्डों का समूह गणेश है। पिण्ड रूप में स्वयम्भू मण्डल में 100 अरब ब्रह्माण्ड हैं,हमारे ब्रह्माण्ड में 100 अरब तारा हैं और इनकी प्रतिमा रूप मनुष्य के मस्तिष्क में 100 अरब कलिल (सेल) हैं,जो लोम का मूल होने से लोमगर्त्त कहे जाते हैं। जितने लोमगर्त्त शरीर में हैं उतने ही 1 वर्ष में हैं,ऐसा काल-मान भी लोमगर्त्त कहलाता है जो 1 सेकण्ड का प्रायः 75,000 भाग है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
सम्पादक

गणपति बप्पा मोरया की गूंज से भक्तिमय हुआ शहर

घरों से लेकर पंडालों तक विधि-विधान से हुई गणेश प्रतिमाओं की स्थापना,10 दिवसीय महोत्सव शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार से शहर में 10 दिवसीय गणपति महोत्सव का शुभारंभ आस्था और उल्लास के साथ हुआ। सुबह से ही घरों,मंदिरों और शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज सुनाई देने लगी। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की। शाम को पंडालों में आरती का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। गणेशोत्सव को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह नजर आया। करीब 15 दिन पहले से ही विभिन्न समितियों द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर आकर्षक पंडाल तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया था। सोमवार को गणेश चतुर्थी पर इन पंडालों में पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही गणेशोत्सव की धूम शुरू हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-बड़े पंडालों में विघ्नहर्ता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू की गई। शहर के प्रमुख व्यावसायिक मार्गों और चौक-चौराहों पर आकर्षक पंडाल बनाए गए

हैं। इन्हें विद्युत झालरों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में गणेश आराधना को लेकर उत्साह दिखाई दिया। जयस्तंभ चौक,सदर रोड, देवीगंज रोड,ब्रह्म रोड,चांदनी चौक मायापुर, चर्च रोड केदारपुर,दरीपारा,महाराजा गली और गांधीनगर सहित कई स्थानों पर स्थापित गणेश प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

गणपति धाम में पूजा-अर्चना और भंडारा : गणेश चतुर्थी के अवसर पर महमाया पहाड़ी स्थित हाथीपखना के गणपति धाम में आरती और पूजा-अर्चना के साथ गणेशोत्सव का शुभारंभ हुआ। भगवान गणेश के दर्शन और आरती में शामिल होने अंबिकापुर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना ट्रस्ट के संरक्षक भरत सिंह सिसोदिया ने कहा कि हाथीपखना स्थित गणपति धाम सरगुजा की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। महमाया पहाड़ी के प्राकृतिक और आध्यात्मिक वातावरण में स्थित यह स्थल श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। गणेशोत्सव के दौरान क्षेत्र में सुख-शांति और सौहार्द की कामना की गई। ट्रस्ट अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह शैलू ने कहा कि गणपति धाम श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा पवित्र स्थल है। स्थानीय मान्यता के अनुसार महमाया पहाड़ी पर प्राकृतिक रूप से दिखाई देने वाली गणपति आकृति के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का प्रयास गणपति धाम को श्रद्धालुओं के लिए सुविधायुक्त और प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करना है। आयोजन में हरपाल सिंह भामरा,जन्मेजय मिश्रा,रवींद्र तिवारी, अनंगपाल दीक्षित,विजय सोनी, अभिषेक शर्मा,मनोज अग्रवाल,गोल्डी बिहाड़े, दिव्या सिंह सिसोदिया,अनिल जायसवाल, शुभांगी बिहाड़े,रूपेश दुबे,विकास गुप्ता, शशिकांत जायसवाल,संजीव वर्मा, रवि विश्वकर्मा,अनीश सिंह,आयुष दुबे,अविनाश मंडल,मनोज प्रसाद,जतिन परमार,अशोक सोनी,अभिषेक माथुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का आरोपी गिरफ्तार

रोक-टोक और मानसिक प्रताड़ना से परेशान थी मृतिका...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा मृतिका को लगातार रोक-टोक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। इससे परेशान होकर मृतिका ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस के अनुसार 12 सितंबर 2026 को मृतिका का शव उसके निवास स्थान पर फांसी के फंदे पर लटका मिला था। सूचना पर गांधीनगर पुलिस ने मर्ग क्रमांक 85/2026 के तहत धारा 194 बीएनएसएस में मामला दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने मृतिका के परिजनों और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए। बयानों में ज्ञान तिवारी द्वारा मृतिका को

रोक-टोक करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान ज्ञान प्रकाश तिवारी उर्फ ज्ञान तिवारी (27), निवासी मुक्तिपारा,थाना गांधीनगर के रूप में हुई। विवेचना में सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी द्वारा मृतिका को आत्महत्या के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का कृत्य पाया। इसके बाद गांधीनगर थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 574/26,धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, सहायक उप निरीक्षक धनंजय पाठक, आरक्षक राहुल सिंह, रमन मंडल, अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, अमरेश सिंह एवं घनश्याम देवांगन की भूमिका रही।

हरितालिका तीज पर गूंजे शिव-पार्वती के जयकारे

सुहागिन महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर की पूजा-अर्चना, अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

हरितालिका तीज पर्व सोमवार को शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में महिलाओं ने भक्तिभाव और उत्साह के साथ मनाया। अखंड सौभाग्य की कामना से जुड़ा यह पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। महिलाओं ने दिनभर निर्जला उपवास रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हरितालिका तीज को लेकर सुबह से ही घरों में तैयारियों का सिलसिला शुरू हो गया था। महिलाओं ने स्नान-ध्यान के बाद नए वस्त्र और श्रृंगार कर पूजा की तैयारी की। घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान और गुजिया भी बनाए गए। इसके बाद विधि-विधान से भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। पर्व के दौरान महिलाओं ने

बालू से भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश की प्रतिमाएं बनाईं। इन प्रतिमाओं को पूजा स्थल पर स्थापित कर फूल, बेलपत्र, फल, नैवेद्य सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित की गई। महिलाओं ने भगवान शिव-पार्वती की आराधना कर अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और परिवार में सुख-शांति की कामना की।

माता पार्वती ने किया था व्रत : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी और हरितालिका तीज का व्रत किया था। इसी मान्यता के चलते सुहागिन महिलाएं अपने अखंड सौभाग्य और दांपत्य जीवन की सुख-समृद्धि के लिए यह व्रत रखती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरितालिका तीज मनाई जाती है। पर्व के चलते पूरे दिन महिलाओं में उत्साह और भक्ति का माहौल रहा।

138 किलो गांजा के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

स्कॉर्पियो छोड़ गन्ने के खेत में छिपे थे आरोपी, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा; 90 लाख का मशरुका जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 138.4 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से गांजा से भरी स्कॉर्पियो एन वाहन, दो मोबाइल फोन समेत करीब 90 लाख रुपये का मशरुका जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ओडिशा के ब्रह्मपुर से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे थे। मामले में एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में लुण्ड्रा पुलिस को 13 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की स्कॉर्पियो में गांजा भरकर कुछ लोग ओडिशा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बरगडीह के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर स्कॉर्पियो सवार वाहन छोड़कर पास के गन्ने के खेत में छिप गए। पुलिस टीम ने खेत में सर्चिंग अभियान चलाकर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों की पहचान बलराज सिंह बिन्द्रा (23), निवासी इंदिरापुरम, गाजियाबाद और अजय बंसल उर्फ अजय बैसला (23),निवासी इंदिरापुरम, गाजियाबाद के रूप में हुई।

53 पैकेट में मिला 138.4 किलो गांजा : पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर स्कॉर्पियो एन वाहन की तलाशी ली। इसमें 53 पैकेटों में कुल 138.4 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने जब्त गांजे की कीमत करीब 69 लाख रुपये, स्कॉर्पियो वाहन की कीमत करीब 20 लाख रुपये और दो मोबाइल फोन की कीमत करीब एक लाख रुपये आंकी है। इस तरह कुल जब्ती करीब 90 लाख रुपये की बताई गई है। पूछताछ में आरोपियों ने गांजा ओडिशा के ब्रह्मपुर से स्कॉर्पियो में लादकर उत्तर प्रदेश ले जाना स्वीकार किया है। पुलिस अब इस तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क और फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। लुण्ड्रा थाने में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 216/26 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुण्ड्रा निरीक्षक असफाक अहमद अंसारी,चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक आर.एन. पटेल, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक महेश कुमार तथा आरक्षक शिवप्रसाद खलखो, इबनुल खान, बहाल राम और आशीष की भूमिका रही।

शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर युवक से 10.28 लाख की साइबर ठगी

व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट पर बनाई आईडी, अलग-अलग खातों में कराए 19 ट्रांजेक्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शेयर मार्केट में निवेश कर कम समय में 20 से 200 फीसदी तक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर अंबिकापुर के 24 वर्षीय युवक से 10 लाख 28 हजार रुपए की ऑनलाइन साइबर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पहले युवक को व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। इसके बाद फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट पर उसकी आईडी बनाकर निवेश कराया। शुरुआत में वेबसाइट पर मुनाफा दिखाने और 1000 रुपए वापस खाते में भेजकर युवक का भरोसा जीता गया। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई गई। पुलिस के अनुसार जयस्तंभ चौक निवासी इशान उचानिया ने शिकायत दर्ज कराई है। उसकी

जयस्तंभ चौक में कपड़े की दुकान है। 12 से 14 जून 2026 के बीच उसके इंस्टाग्राम पर शेयर मार्केट टिप्स से संबंधित विज्ञापन आया। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद उसका मोबाइल नंबर व्हाट्सऐप ग्रुप में जुड़ गया। ग्रुप में शेयर खरीदने-बेचने से संबंधित टिप्स भेजे जाते थे। कुछ दिन बाद इसी ग्रुप में दूसरे व्हाट्सऐप ग्रुप का लिंक भेजा गया। युवक उसके माध्यम से दूसरे ग्रुप में भी जुड़ गया। यहां एडमिन द्वारा लगातार शेयर बाजार से जुड़ी जानकारी और मुनाफे के दावे किए जाते थे। शिकायत के अनुसार ग्रुप की एडमिन से व्यक्तिगत चैट के बाद युवक को एक वेबसाइट पर आईडी बनाने के लिए कहा गया। आधार और पैन कार्ड की जानकारी देने के बाद 15 जून को वेबसाइट पर उसके नाम से आईडी बनाई गई। युवक को बताया गया कि ग्रुप में जब मैसेज आए, तभी उसी के अनुसार ट्रेडिंग करनी है और निवेश के लिए बताए गए बैंक खाते में रकम जमा करनी है। 17 जून को युवक ने बताए गए बैंक खाते में 10 हजार रुपए जमा किए। वेबसाइट पर उसकी आईडी में यह रकम दिखाई देने लगी। इसके बाद शेयर खरीदने का निर्देश मिला और अगले दिन निवेश पर 10 प्रतिशत लाभ दिखाया गया। युवक ने दोबारा रकम जमा की। वेबसाइट से 1000 रुपए निकालने पर वह राशि उसके बैंक खाते में भी आ गई। इससे उसका भरोसा और बढ़ गया।

चरण बदलने के नाम पर बढ़ता गया निवेश : इसके बाद आरोपियों ने पांच से 10 प्रतिशत के बजाय 20 से 40 प्रतिशत तक मुनाफा दिलाने वाले दूसरे चरण में निवेश करने का लालच दिया। न्यूनतम एक लाख रुपए निवेश की बात कही गई। ग्रुप की सदस्य ने भी कथित तौर पर खुद 12 लाख रुपए निवेश कर 19 लाख रुपए होने और चार लाख रुपए निकालने की जानकारी देकर युवक को भरोसा दिलाया। इसके बाद युवक ने 22 से 24 जून के बीच अलग-अलग बैंक खातों में कई बार रकम ट्रांसफर की। आरोपियों ने बाद में तीसरे चरण और आईपीओ में निवेश के नाम पर भी रकम लगाने के लिए कहा। वेबसाइट पर आईपीओ से मुनाफा दिखाया गया। इस तरह युवक से उसके एचडीएफसी और इंडियन बैंक खातों से कुल 19 ट्रांजेक्शन में 10 लाख 28 हजार रुपए ट्रांसफर कराए गए। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद व्हाट्सऐप ग्रुप के एडमिन,संबंधित सदस्यों और अन्य मोबाइल नंबर धारकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चक्का जाम स्थगित,20 तक व्यवस्था सुधारने का अल्टीमेटम

निगम की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, सड़क-बिजली और सफाई व्यवस्था को लेकर घेरा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नगर निगम क्षेत्र की बदहाल सड़कों, राष्ट्रीय राजमार्गों की जर्जर स्थिति और शहर की चरमराई नागरिक सुविधाओं को लेकर कांग्रेस द्वारा मंगलवार को प्रस्तावित चक्का जाम पांच दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। प्रशासनिक पहल और राष्ट्रीय राजमार्गों पर शुरू किए गए मरम्मत कार्यों को देखते हुए कांग्रेस ने फिलहाल आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया है। हालांकि कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि 20 सितंबर तक यदि मरम्मत कार्यों में अपेक्षित तेजी और गुणवत्ता के साथ स्थायी सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा और इसे और व्यापक किया जाएगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक एवं

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने बताया कि दरिमा मोड़ से भारत माता चौक तथा घड़ी चौक से रेलवे स्टेशन तक राष्ट्रीय राजमार्ग सहित शहर की खराब सड़कों को लेकर कांग्रेस ने चक्का जाम का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों ने पहल करते हुए सड़कों के गड्ढों को भरने का काम शुरू कराया है। प्रशासन की इस पहल को देखते हुए 15 सितंबर को प्रस्तावित चक्का जाम को फिलहाल पांच दिनों के लिए स्थगित किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सिर्फ गड्ढे भर देना सड़कों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। मरम्मत कार्य गुणवत्ता के साथ होना चाहिए और जिन हिस्सों की सड़क पूरी तरह खराब हो चुकी है, वहां स्थायी सुधार किया जाना चाहिए। कांग्रेस 20 सितंबर तक कार्य की प्रगति और गुणवत्ता पर नजर रखेगी। अपेक्षित सुधार नहीं होने पर कांग्रेस दोबारा सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल : कांग्रेस ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। नेताओं का आरोप है कि शहर की अंदरूनी सड़कों पर बड़े पैमाने पर गड्ढे होने के बावजूद नगर निगम द्वारा उन्हें दुरुस्त करने की दिशा में अब तक ठोस पहल नहीं की गई है। गंगापुर, नवापारा, वार्ड क्रमांक 8, विशुनपुर और बौरीपारा सहित कई वार्डों की अंदरूनी सड़कें बदहाल हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बारिश के दौरान गड्ढों को भरने और सड़कों की मरम्मत का काम प्रभावी ढंग से नहीं किया गया। स्थिति यह है कि दो माह पहले बनाई गई सड़कें भी उखड़ने लगी हैं। बारिश से पहले बनाई गई गुरुनानक चौक और पुराने बस स्टैंड रोड की सड़कें भी जगह-जगह खराब हो चुकी हैं। रिंग रोड सहित शहर की कई प्रमुख सड़कों की स्ट्रीट लाइटें बंद होने से रात में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं साफ-सफाई और जल निकासी की व्यवस्था को लेकर भी कांग्रेस ने निगम को घेरा है। बालकृष्ण पाठक और शफी अहमद ने कहा कि सड़क, बिजली, सफाई और जल निकासी जैसी सुविधाएं नागरिकों की बुनियादी जरूरतों से जुड़ी हैं। शहर की जनता को बदहाल सड़कों, अंधेरे में डूबी सड़कों और अव्यवस्थित नागरिक सुविधाओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत के साथ नगर निगम को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि 20 सितंबर तक सड़कों के गड्ढे भरने, स्ट्रीट लाइट चालू करने, विद्युत व्यवस्था बहाल करने तथा अन्य नागरिक समस्याओं के निराकरण की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं उग्र किया जाएगा।

संगठन सृजन अभियान : सरगुजा में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण आज से

तीन दिन में 12 सत्र,संभाग के 49 ब्लॉक अध्यक्ष और 12 मास्टर ट्रेनर लेंगे प्रशिक्षण,दिग्गज नेताओं की रहेगी मौजूदगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

संगठन सृजन अभियान के तहत सरगुजा संभाग के छह जिलों में नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मंगलवार से अम्बिकापुर के होटल मयूरा में शुरू होगा। प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख प्रशिक्षकों की मौजूदगी रहेगी। संभाग के छह जिलों के 49 संगठनात्मक ब्लॉक अध्यक्षों तथा 12 मास्टर ट्रेनरों को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी संगठन महामंत्री मलकीत गैदू ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य ब्लॉक से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना, जनहित के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करना और पार्टी की विचारधारात्मक समझ को मजबूत करना है। संगठन सृजन अभियान के तहत प्रशिक्षण शिविरों की शुरुआत 30 अगस्त को बस्तर संभाग से हुई थी। इसके बाद दुर्ग और बिलासपुर संभाग में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। सरगुजा संभाग का प्रशिक्षण 15 से 17 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद रायपुर संभाग में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण

के बाद मंडल और बूथ स्तर पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य संगठन के निचले स्तर तक प्रशिक्षण और पार्टी की कार्यप्रणाली को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है।

तीन दिनों में होंगे 12 प्रशिक्षण सत्र : 15 सितंबर से शुरू होने वाले प्रशिक्षण शिविर में तीन दिनों के दौरान कुल 12 सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख प्रशिक्षकों के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करेंगे। प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत मंगलवार दोपहर 12 बजे दीप प्रज्वलन के साथ होगी। सभी ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों के लिए होटल मयूरा में ही आवासीय व्यवस्था की गई है। प्रशिक्षण के दूसरे और तीसरे दिन सुबह योग कक्षा भी आयोजित की जाएगी। प्रशिक्षण की गंभीरता और एकाग्रता बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण स्थल पर केवल प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। शिविर की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कांग्रेस सेवादल को सौंपी गई है।

कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता होंगे शामिल : अम्बिकापुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव राजेश तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इन नेताओं के आगमन का विस्तृत कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के सोमवार शाम तक अम्बिकापुर पहुंचने की जानकारी दी गई है। प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर प्रदेश संगठन महामंत्री मलकीत गैदू एवं प्रशिक्षण प्रभारी युगल किशोर पाण्डेय रविवार से ही अम्बिकापुर में कैंप कर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं।

पासबुक अपडेट कराई तो पता चला खाते से निकल चुके हैं 14 लाख

सीतापुर उप डाकघर में महिला के खाते से तीन बार रकम आहरण, आहरण पर्चियों में फर्जी हस्ताक्षर का आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए पासबुक अपडेट कराने पहुंची सीतापुर की महिला को पता चला कि उसके बचत खाते से 14 लाख रुपए पहले ही निकाले जा चुके हैं। महिला ने मामले की शिकायत डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से की। जांच थाना सीतापुर पहुंची तो तीन अलग-अलग तारीखों में खाते से रकम निकाले जाने का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामले में तत्कालीन सहायक पोस्टमास्टर सूरज दास महंत के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सीतापुर निवासी ममता सिंह ने उप डाकघर में बचत खाता संचालित कर रखा है। डाकघर में कराई गई आरडी के परिपक्व होने के बाद प्राप्त राशि भी उनके खाते में जमा हुई थी। 6 अगस्त 2026 को आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए पासबुक अपडेट कराने पर उन्हें खाते से 14 लाख रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। खाते की जांच में सामने आया कि 17 मार्च 2025 को 5 लाख, 15 अप्रैल को 4 लाख और 30 अप्रैल को 5 लाख रुपए आहरित किए गए थे। यानी करीब डेढ़ महीने के अंतराल में तीन बार में खाते से पूरी 14 लाख रुपए की राशि निकाल ली गई।

आहरण पर्चियों की जांच में सामने आया फर्जीवाड़ा : शिकायत के बाद पुलिस ने उप डाकघर से खाते और संबंधित दस्तावेजों की जानकारी ली। जांच में पाया गया कि 5 हजार रुपए से अधिक की राशि निकालने के लिए सुपरवाइजर अथवा उप डाकपाल के सत्यापन के बाद भुगतान किया जाता है। आरोप है कि तत्कालीन सहायक पोस्टमास्टर ने आहरण पर्चियों में खाताधारक के फर्जी हस्ताक्षर कर राशि निकाल ली। संबंधित तारीखों में आरोपी की उप डाकघर की उपस्थिति भी दर्ज मिली है।

करोड़ों के टीकाकरण अभियान पर सवाल,जांच हुई या सिर्फ कागजों में?

FMD टीकाकरण में गड़बड़ी के आरोप,जांच समिति बनी... रिपोर्ट और कार्रवाई गायब

टीकाकरण की गड़बड़ी पर शासन ने कराई जांच, डेढ़ माह बाद भी नतीजा बेनतीजा

एफएमडी टीकाकरण में अनियमितता के आरोप,जांच समिति के बाद भी कार्रवाई का इंतजार

जांच समिति पहुंची,दस्तावेज खंगाले... फिर कहां अटक गई एफएमडी जांच?

टीकाकरण अभियान पर उठे सवाल,जांच के बाद भी जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं

एफएमडी टीकाकरण में कथित गड़बड़ी की जांच ठंडे बस्ते में? डेढ़ माह से कार्रवाई का इंतजार

टीकाकरण में गड़बड़ी के आरोपों पर जांच शुरू,अब जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग...

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और कोरिया जिले में पशुधन विकास विभाग के एफएमडी (खुरहा-मुंहपका) टीकाकरण अभियान में कथित अनियमितताओं को लेकर शुरू हुई विभागीय जांच अब खुद सवालों के घेरे में है, गंभीर आरोपों के बाद शासन स्तर से जांच के निर्देश हुए, समिति गठित हुई,अधिकारी जांच के लिए पहुंचे और दस्तावेजों की पड़ताल भी हुई, लेकिन करीब डेढ़ माह बाद भी किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आने से पूरी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

दैनिक घटती-घटना,अंबिकापुर संस्करण ने 3 जुलाई 2026 को 'खुरहा-मुंहपका टीकाकरण अभियान में करोड़ों का खेल?' शीर्षक से मामला प्रमुखता से उठाया था,खबर में टीकाकरण अभियान के क्रियान्वयन, आंकड़ों और जमीनी स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे,इसके बाद मामला विभागीय स्तर तक पहुंचा और उच्च अधिकारियों द्वारा जांच के निर्देश दिए गए,उपलब्ध विभागीय पत्र के अनुसार 27 जुलाई 2026 को उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं,जिला कोरिया को पत्र जारी कर जांच समिति की कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। पत्र में गठित जांच समिति द्वारा 30 जुलाई 2026 को उप संचालक कार्यालय, जिला कोरिया में उपस्थित होकर जांच की कार्यवाही संपादित किए जाने का उल्लेख है।

जांच समिति पहुंची,दस्तावेज देखे...फिर खामोशी क्यों?- मामले में सबसे बड़ा सवाल जांच के बाद की कार्रवाई को लेकर है, जब शासन के निर्देश पर जांच समिति गठित हुई और समिति ने निर्धारित तारीख पर जांच की कार्यवाही की, तो उसके निष्कर्ष क्या रहे? जांच में आरोप सही पाए गए या निराधार? यदि किसी अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी तय हुई तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं मिली तो विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए जांच रिपोर्ट अथवा निष्कर्ष सार्वजनिक क्यों नहीं किया? इसी खामोशी के कारण अब स्थानीय स्तर पर जांच में कथित लीपापोती की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। हालांकि ऐसी चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और अंतिम स्थिति विभाग की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकती है।

टीकाकरण के आंकड़ों और जमीनी हकीकत पर पहले से सवाल- एफएमडी टीकाकरण पशुओं को खुरहा-मुंहपका जैसी संक्रामक बीमारी से बचाने से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है, ऐसे अभियान में टीकाकरण की वास्तविक संख्या, उपलब्ध वैक्सीन, उपयोग की गई डोज,शेष स्टॉक और मैदानी रिकॉर्ड का आपस में मिलान महत्वपूर्ण होता है, मामले में पहले से ही आरोप लगाए गए थे कि कागजों में दर्ज टीकाकरण और जमीनी स्तर पर किए गए टीकाकरण की वास्तविक स्थिति की विस्तृत जांच आवश्यक है,इन्हीं आरोपों के बाद शासन स्तर की जांच से उम्मीद जगी थी कि दस्तावेज और मैदानी रिकॉर्ड का मिलान कर स्थिति स्पष्ट की जाएगी,लेकिन जांच के डेढ़ माह बाद भी नतीजे सामने नहीं आने से अब जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर ही सवाल उठने लगे हैं।

रिपोर्ट में क्या मिला,विभाग क्यों नहीं बता रहा?- यदि जांच समिति ने 30 जुलाई को जांच की कार्यवाही की थी तो अब तक उसकी रिपोर्ट किस स्तर पर लंबित है? क्या समिति ने जांच प्रतिवेदन उच्च कार्यालय को सौंप दिया? यदि सौंप दिया तो उस पर क्या निर्णय लिया गया? क्या किसी अधिकारी-कर्मचारी को नोटिस जारी किया गया? क्या किसी से स्पष्टीकरण मांगा गया या किसी तरह की विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित है? ये ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब सामने आने से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि जांच वास्तव में अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंची या केवल दस्तावेजी प्रक्रिया बनकर रह गई।

जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की उठ रही मांग- मामले में अब जांच रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष सार्वजनिक करने की मांग भी उठ रही है, सवाल यह भी है कि करोड़ों रुपये से जुड़े बताए जा रहे टीकाकरण अभियान में यदि वित्तीय अथवा प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप लगे हैं तो जांच केवल कार्यालयीन दस्तावेजों तक सीमित रही या टीकाकरण की जमीनी वास्तविकता का भी सत्यापन किया गया? विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि कितनी वैक्सीन प्राप्त हुई, कितनी डोज का उपयोग दर्ज किया गया, कितने पशुओं का टीकाकरण हुआ, रिकॉर्ड का भौतिक सत्यापन कैसे किया गया और जांच में क्या निष्कर्ष निकला।

'जांच की जांच' जैसी स्थिति क्यों?- जिस मामले में आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए जांच गठित की गई थी, उसी जांच का परिणाम सामने न आने से अब स्थिति ऐसी बन रही है कि मूल आरोपों के साथ जांच की गति और पारदर्शिता भी सवालों के घेरे में आ गई है, फिलहाल कथित अनियमितताओं अथवा किसी अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी की अंतिम पुष्टि जांच रिपोर्ट से ही होगी, लेकिन विभागीय जांच के इतने समय बाद भी स्पष्ट कार्रवाई या निष्कर्ष सामने न आना सवाल जरूर पैदा करता है,अब पशुपालकों और आम लोगों की निगाहें पशुधन विकास विभाग तथा शासन पर हैं-जांच रिपोर्ट आखिर कब सामने आएगी? यदि गड़बड़ी मिली है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी? और यदि आरोप सही नहीं मिले तो विभाग स्थिति स्पष्ट कर इस पूरे विवाद पर विराम क्यों नहीं लगाता? सवाल सीधा है-एफएमडी टीकाकरण में कथित 'करोड़ों के खेल' की जांच तो हुई, अब जांच का नतीजा और जिम्मेदारी तय होने का इंतजार आखिर कब खत्म होगा?

सेवा संकल्प अभियान में होंगे विविध सेवा कार्यक्रम

जिला प्रशासन ने नागरिकों से किया व्यापक सहभागिता का आह्वान

-संवाददाता-

बलरामपुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ''सेवा संकल्प अभियान'' संचालित किया जाएगा। माह भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत निर्धारित तिथियों में विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिनमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर 2026 को ''आशीर्वाद का दीया'' कार्यक्रम से होगा।

इसी दिन से ''मेरे सपनों का भारत - चित्र सेवा'' कार्यक्रम प्रारंभ होकर 7 अक्टूबर तक चलेगा, जिसकी अवधि सात से दस दिवस निर्धारित की गई है। ''नमो सेवा - अनकही कहानियां'' कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले के प्रमुख स्थलों पर आयोजित होगा तथा ''सेवा मेरा योगदान'' कार्यक्रम 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक, अर्थात संपूर्ण अभियान अवधि में जारी रहेगा। आंगनबाड़ी केन्द्रों से जुड़ा ''आंगन मिलन सेवा'' कार्यक्रम 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए जनसहयोग से खिलौना वितरण की पहल सम्मिलित है। इसके पश्चात 29 सितंबर को ''सेवा के रंग, राष्ट्र के संग'' कार्यक्रम होगा। अक्टूबर माह में 1 से 7 अक्टूबर तक ''सेवा सेतु अभियान'' संचालित किया जाएगा और 7 अक्टूबर को ''सेवा ज्योति कलश यात्रा'' निकाली जाएगी। अभियान का समापन 17 अक्टूबर 2026 को ''सुशासन सेवा संवाद'' के साथ होगा। अभियान की संपूर्ण अवधि में ''सेवा की कहानी'', ''जल जन सेवा संकल्प अभियान'' तथा ''सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज'' सतत रूप से संचालित किए जाएंगे, वहीं ''सेवा संकल्प यात्रा'' तीन से चार दिवसीय यात्राओं के रूप में निकाली जाएगी।

जिला प्रशासन ने जिले के समस्त नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं युवाओं से अपील की है कि वे इन निर्धारित तिथियों में आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनें। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा है कि सेवा का भाव तभी सार्थक होता है जब वह जन-जन का संकल्प बन जाए।

---

33 करोड़ की सड़क कुछ महीनों में उखड़ी,जेसीबी से फिर खोदकर हो रहा सुधार

16.60 किमी कुसमी-सामरी मार्ग पर करोड़ों खर्च,बारिश ने खोली निर्माण की परत,गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर सवाल...

सुदामा राजवाड़े

कुसमी,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़क यदि कुछ ही महीनों में उखड़ने लगे और उसके खराब हिस्सों को दोबारा जेसीबी से खोदकर सुधारना पड़े, तो सवाल केवल सड़क की मरम्मत का नहीं, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी का भी उठता है। कुसमी-सामरी मार्ग पर मौजूदा स्थिति कुछ ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। लोक निर्माण विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार कुसमी-सामरी मार्ग के 16.60 किलोमीटर हिस्से के उन्नयन एवं मजबूतीकरण पर 33.10 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन निर्माण कार्य के कुछ ही महीनों बाद सड़क के कई हिस्सों में ऊपरी परत उखड़ने,सड़क क्षतिग्रस्त होने और जगह-जगह गड्ढे बनने की स्थिति सामने आई है।

नई सड़क फिर जेसीबी से खोदी जा रही...

सबसे चौंकाने वाली स्थिति यह है कि सड़क के जिन हिस्सों में निर्माण के बाद खराबी सामने आई है,वहां अब संबंधित ठेकेदार द्वारा जेसीबी मशीन लगाकर सड़क को दोबारा खोदा जा रहा है। खराब हिस्सों में सुधार के लिए पीसीसी कार्य कराए जाने की जानकारी है। यानी जिस सड़क को करोड़ों रुपये खर्च कर मजबूत और बेहतर आवागमन के लिए तैयार किया गया, उसके कुछ हिस्सों में निर्माण के महज 4 से 6 महीने के भीतर ही दोबारा हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि सड़क का निर्माण निर्धारित तकनीकी मापदंडों और गुणवत्ता के अनुरूप किया गया था तो इतनी कम अवधि में सड़क की परत उखड़ने और उसे खोदकर सुधारने की जरूरत क्यों पड़ी?

बारिश ने खोली सड़क निर्माण की परत?

बारिश के बाद मार्ग के कई हिस्सों में सड़क की ऊपरी परत उखड़ने,धंसने और गड्ढे बनने की स्थिति सामने आई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क बनने के बाद उन्हें बेहतर और टिकाऊ आवागमन की उम्मीद थी,लेकिन कुछ ही महीनों में सड़क के खराब हिस्से सामने आने से निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि सड़क खराब होने का वास्तविक तकनीकी कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। यह भी संभव है कि किसी विशेष हिस्से में जल निकासी, आधार परत, सामग्री या अन्य तकनीकी कारणों से सड़क क्षतिग्रस्त हुई हो। इसलिए दृश्य स्थिति के आधार पर सीधे भ्रष्टाचार या घटिया निर्माण का निष्कर्ष निकालने के बजाय तकनीकी जांच जरूरी है।

ठेकेदार सुधार कर रहा है... लेकिन सवाल विभाग से भी...

निर्माण एजेंसी द्वारा खराब हिस्सों को सुधारना अपने आप में सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन इससे मूल सवाल खत्म नहीं होता।

- क्या निर्माण के दौरान प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता परीक्षण किया गया था?

- क्या सड़क की आधार परत और ऊपरी परत की तकनीकी जांच हुई थी?
- निर्धारित मानक के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल हुआ या नहीं?
- निर्माण के दौरान विभागीय इंजीनियरों ने गुणवत्ता की निगरानी किस स्तर पर की?
- बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हिस्सों की विभागीय तकनीकी जांच कराई गई या नहीं?
- यदि निर्माण में कमी पाई जाती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

इन सवालों का जवाब इसलिए भी जरूरी है क्योंकि मामला केवल एक सड़क का नहीं, बल्कि 33.10 करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन से जुड़े निर्माण कार्य का है।

मरम्मत से ज्यादा जरूरी कारण की जांच : सड़क खराब होने के बाद उसे जेसीबी से खोदकर पीसीसी करना तत्काल समाधान हो सकता है, लेकिन यदि सड़क खराब होने के मूल कारण की पहचान नहीं की गई तो भविष्य में वही समस्या फिर सामने आ सकती है। इसलिए स्थानीय स्तर पर केवल मरम्मत कार्य को पर्याप्त मानने के बजाय क्षतिग्रस्त हिस्सों की स्वतंत्र तकनीकी जांच,गुणवत्ता परीक्षण और निर्माण सामग्री की जांच कराई जानी चाहिए। इससे यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क की खराबी सामान्य तकनीकी समस्या है या निर्माण में किसी स्तर पर लापरवाही हुई है।

एसडीओ से पक्ष जानने का प्रयास,कॉल रिसीव नहीं हुआ : मामले में लोक निर्माण विभाग के संबंधित एसडीओ ज्योतिष तिग्गा से सड़क के खराब होने,जेसीबी से सड़क खोदकर सुधार कार्य कराए जाने तथा विभागीय जांच के संबंध में उनका पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया,लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। विभागीय अधिकारियों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी समाचार में प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

आप ने उठाई जांच की मांग

आम आदमी पार्टी के संगठन मंत्री शकील ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार सड़क यदि कुछ ही महीनों में खराब होने लगे और उसे दोबारा खोदकर सुधारना पड़े तो निर्माण की गुणवत्ता की जांच आवश्यक है। उन्होंने सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री और तकनीकी गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारी तय करने तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि उचित कार्रवाई नहीं होने पर संगठन द्वारा आंदोलन और विभाग का घेराव किया जाएगा। अब असली सवाल यह है कि करोड़ों की सड़क को बचाने के लिए जेसीबी चल रही है या निर्माण की खामी को ढकने के लिए? इसका जवाब सड़क की तकनीकी जांच से ही सामने आएगा।

स्वेच्छा से खिलौने दान कर आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नों के चेहरे पर मुस्कान लाएं जिलेवासी : कलेक्टर

-संवाददाता-

बलरामपुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले ''सेवा संकल्प अभियान'' के अंतर्गत आयोजित होने वाली विविध जनभागीदारी गतिविधियों की कड़ी में ''आंगन मिलन सेवा (आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ सम्मान)'' कार्यक्रम 25 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में जिले के सभी 2371 आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जनसहयोग से खिलौनों का वितरण किया जाएगा। खिलौना दान इस आयोजन का सबसे आत्मीय पक्ष है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से आह्वान किया है कि वे अपने घरों में उपलब्ध ऐसे सुरक्षित एवं उपयोगी खिलौने, जिनका उपयोग अब नहीं हो रहा है, आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को भेंट करें। जो नागरिक चाहें, वे स्वेच्छा से नए खिलौने भी बच्चों को दान कर उनकी खुशी में अपना योगदान दे सकते हैं।

धान आएगा,पैसा आएगा...क्या फिर 'पुराना खेल' भी आएगा?

साधना कुशवाहा और सोहराब अंसारी को फिर मिलेगी धान खरीदी की जिम्मेदारी या बदलेगा चेहरा?

धान खरीदी का नया सीजन...पुराने सवाल कायम...शिवप्रसादनगर में इस बार बदलेगा जिम्मेदारों का चेहरा?

शिवप्रसादनगर में फिर धान खरीदी की तैयारी,क्या लौटेंगे पुराने चेहरे और पुराने सवाल?

फिर आएगा धान,फिर आएगा सरकारी पैसा...निगरानी होगी या फिर शुरू होगा 'खर्च' का खेल?

शिवप्रसादनगर में धान खरीदी से पहले बड़ा सवाल...साधना और सोहराब को फिर मिलेगी जिम्मेदारी?

निगरानी,खर्च और जवाबदेही पर सरकार के सामने बड़ी चुनौती...

सरकारी धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी नजर...

किसान धान देगा,सरकार पैसा देगी... अब देखना है हिसाब कौन देगा?

शिवप्रसादनगर में फिर धान खरीदी की आहट,पुराने विवादों के बीच जिम्मेदारी पर नजर...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर/शिवप्रसादनगर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

धान खरीदी का नया सीजन शुरू होने में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है,नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर की शुरुआत से प्रदेशभर में धान खरीदी शुरू होने की संभावना के बीच उन समितियों और खरीदी केंद्रों पर नजरें टिक गई हैं,जहां पिछले वर्षों में धान की कमी, भुगतान, स्टॉक मिलान,परिवहन और जिम्मेदार कर्मचारियों की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठते रहे हैं,शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र भी ऐसे ही सवालों के घेरे में रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस बार खरीदी व्यवस्था में बदलाव होगा या वही पुराने चेहरे फिर धान खरीदी की कमान संभालेंगे? शिवप्रसादनगर समिति को लेकर पहले से सामने आए आरोपों और शिकायतों की पृष्ठभूमि में यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि धान खरीदी के दौरान समिति के खाते में बड़ी रकम का आवागमन होता है,खरीदी, परिवहन, हमाली, रखरखाव,कर्मचारियों के भुगतान और अन्य मदों में शासन की राशि खर्च होती है,ऐसे में यदि निगरानी कमजोर रही तो सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

धान खरीदी सिर्फ धान तौलने का काम नहीं,करोड़ों के सरकारी धन का सवाल-धान खरीदी केंद्र को अक्सर किसान के धान की तौल और भुगतान तक सीमित समझ लिया जाता है,जबकि वास्तविकता में खरीदी केंद्र पर शासन की बड़ी वित्तीय व्यवस्था संचालित होती है,किसान से धान खरीदने के बाद उसका स्टॉक,बारदाना,परिवहन,मिलिंग, उठाव,भुगतान और रिकॉर्ड का पूरा हिसाब रखना पड़ता है,यहीं से निगरानी की वास्तविक जरूरत शुरू होती है,किस दिन कितना धान खरीदा गया? कितना धान केंद्र में मौजूद रहा? कितना उठाव हुआ? किस वाहन से धान गया? किस मिलर को भेजा गया? कितनी मात्रा में बारदाना आया और कितना उपयोग हुआ? समिति के खाते से किस मद में कितना पैसा निकला? किसे भुगतान किया गया? भुगतान का आधार क्या था? इन सवालों का जवाब केवल कागज पर नहीं,बल्कि भौतिक सत्यापन और बैंक खाते के मिलान से मिलना चाहिए।

शिवप्रसादनगर में खाते के खर्च ने पहले ही खड़े किए सवाल-शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र को लेकर सामने आए वित्तीय विवरणों में खरीदी अवधि के दौरान समिति के खाते से बड़ी राशि खर्च होने का सवाल उठाया गया है,उपलब्ध जानकारी के अनुसार लगभग एक लाख क्विंटल धान की खरीदी के दौरान खाते से करीब 70 लाख रुपये से अधिक खर्च होने की बात सामने आई है,जबकि शिकायत कर्ताओं का दावा है कि सामान्य अपेक्षित खर्च इससे काफी कम होना चाहिए था,यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि बैंक खाते से बड़ी राशि निकलना अपने आप में भ्रष्टाचार सिद्ध नहीं करता, लेकिन यदि निकासी की गई राशि के सामने वास्तविक खर्च का स्पष्ट रिकॉर्ड,बिल, वाउचर,भुगतान प्राप्तकर्ता और कार्य का प्रमाण उपलब्ध नहीं है तो यह निश्चित रूप से जांच का विषय बनता है,खासकर तब,जब धान खरीदी केंद्र पर मजदूरी का भुगतान किसान स्वयं करते होने की बात कही जा रही है।

मजदूरी किसान दे रहा है तो समिति के खाते से निकला पैसा किस मद में?-धान खरीदी केंद्रों पर हमाली और मजदूरी को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं, किसानों का कहना है कि वे अपने धान की तुलाई,चढ़ाई और संबंधित मजदूरी का भुगतान स्वयं करते हैं, ऐसे में यदि समिति के खाते से हमाली या मजदूरी के नाम पर राशि निकाली गई है तो उसका पूरा विवरण सार्वजनिक होना चाहिए, किस मजदूर को कितना भुगतान किया गया? किस दिन काम कराया गया? कितने क्विंटल धान की हमाली हुई? कितने मजदूर लगाए गए? मजदूरों की उपस्थिति का रिकॉर्ड कहां है? क्या भुगतान सीधे मजदूर के खाते में हुआ? यदि किसान से मजदूरी भी ली गई और समिति के खाते से भी उसी मद में भुगतान हुआ,तो फिर एक ही काम के लिए दोहरा भुगतान तो नहीं हुआ? यही वह जगह है जहां इस बार शासन को विशेष निगरानी की आवश्यकता है।

'खर्च' की फाइल में हर रुपये का हिसाब होना चाहिए-आगामी खरीदी सीजन में सबसे जरूरी व्यवस्था यह होनी चाहिए कि समिति के खाते से होने वाले प्रत्येक भुगतान को खरीदी की वास्तविक गतिविधि से जोड़ा जाए, सिर्फ यह लिख देना कि पैसा हमाली में खर्च हुआ,पर्याप्त नहीं होना चाहिए,उसके साथ मजदूरों की सूची,कार्य दिवस,भुगतान राशि,बैंक ट्रांजेक्शन और संबंधित रिकॉर्ड का मिलान होना चाहिए,इसी तरह परिवहन भुगतान के मामले में वाहन नंबर,ट्रिप,वजन पर्ची,उठाव की तारीख और गंतव्य का मिलान किया जाना चाहिए,धान की मात्रा और पैसे की मात्रा-दोनों का हिसाब एक साथ चले,तभी खरीदी व्यवस्था पारदर्शी मानी जा सकती है।

सरकारी पैसा बचाना है तो बैंक खाते की निगरानी जरूरी-समिति के बैंक खाते में पैसा आने के बाद उसकी निकासी पर निगरानी की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण हो जाती है,शाखा स्तर पर बैंक अधिकारियों की भूमिका केवल बैंकिंग लेन-देन तक सीमित नहीं हो सकती; यदि किसी समिति के खाते में असामान्य रूप से बड़ी रकम निकल रही है तो उसके पीछे के दस्तावेज और भुगतान की प्रकृति पर सवाल उठना स्वाभाविक है,यही कारण है कि आगामी खरीदी के दौरान असामान्य निकासी की स्वचालित निगरानी,भुगतान की मदवार जांच और समिति के बैंक खाते का नियमित मिलान किया जाना चाहिए,यदि किसी समिति के खाते से लगातार बड़ी राशि निकाली जा रही है तो विभाग को यह पूछना चाहिए कि पैसा कहां गया और किस काम में लगा।

एक तिहाई पैसा अनियमितता में चला जाता है—दावे की भी हो जांच- धान खरीदी के दौरान कुल सरकारी खर्च का बड़ा हिस्सा अनियमितताओं में जाने संबंधी आरोप भी सामने आते रहे हैं,लेकिन इस तरह के व्यापक दावे को बिना आंकड़ों के तथ्य नहीं माना जा सकता,इसलिए सरकार यदि वास्तव में व्यवस्था को पारदर्शी बनाना चाहती है तो उसे प्रत्येक खरीदी केंद्र का मदवार ऑडिट कराना चाहिए, कितना पैसा आया? कितना खर्च हुआ? किस मद में खर्च हुआ? किसे भुगतान हुआ? क्या भुगतान वास्तविक था? क्या एक ही मद में दो बार भुगतान हुआ? क्या मजदूरी का भुगतान वास्तव में मजदूरों को मिला? क्या परिवहन का भुगतान वास्तविक उठाव के अनुपात में हुआ? इन सवालों के जवाब सामने आते ही यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि सरकारी धन का कितना हिस्सा वास्तविक व्यवस्था पर खर्च हुआ और कितना खर्च संदिग्ध है।

इस बार सिर्फ धान की तौल नहीं,पूरी व्यवस्था की निगरानी हो-आगामी खरीदी सीजन में यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार रोकना चाहती है तो निगरानी केवल धान के स्टॉक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, खरीदी से भुगतान तक और भुगतान से उठाव तक पूरी श्रृंखला की निगरानी आवश्यक है,समिति के खाते का बैंक मिलान,स्टॉक का भौतिक सत्यापन,बारदाना रजिस्टर,हमाली भुगतान, परिवहन रिकॉर्ड,मिलर को भेजे गए धान की मात्रा और समिति के खर्च का स्वतंत्र परीक्षण- इन सभी को एक साथ देखा जाना चाहिए,तभी यह पता चलेगा कि कहीं कागज पर धान पूरा और जमीन पर कम तो नहीं है,या खाते में खर्च ज्यादा और वास्तविक काम कम तो नहीं हुआ।

शिवप्रसादनगर इस बार बनेगा मिसाल या फिर वही कहानी दोहराएगा?-शिवप्रसादनगर अब केवल एक धान खरीदी केंद्र नहीं रह गया है,पिछले वर्षों में सामने आए आरोपों और वित्तीय सवालों के कारण यह केंद्र आगामी खरीदी सीजन में प्रशासन की निगरानी व्यवस्था की परीक्षा भी बन सकता है,अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस बार क्या करता है,क्या पुराने आरोपों और शिकायतों का रिकॉर्ड देखकर जिम्मेदारी तय की जाएगी? क्या धान खरीदी में ऐसे कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी जाएगी जिनकी कार्यप्रणाली पहले सवालों में रही है? क्या नई टीम बनाकर खरीदी कराई जाएगी? क्या समिति के खाते की निकासी पर विशेष निगरानी रखी जाएगी? क्या किसानों से होने वाले मजदूरी भुगतान और समिति के खाते से होने वाले भुगतान का मिलान कराया जाएगा? और सबसे बड़ा सवाल...क्या इस बार शिवप्रसादनगर में धान खरीदी का चेहरा बदलेगा या फिर वही पुराने चेहरे,वही पुरानी व्यवस्था और वही पुराने सवाल दोबारा सामने आएंगे?

सरकार के लिए मौका...'धान खरीदी' को पारदर्शिता की खरीदी बनाए-सरकार के पास अभी समय है,खरीदी शुरू होने से पहले यदि जिम्मेदारियां तय कर दी जाएं,संदिग्ध मामलों में निष्पक्ष समीक्षा करा दी जाए,बैंक खातों की निगरानी मजबूत कर दी जाए और प्रत्येक भुगतान का डिजिटल तथा भौतिक सत्यापन सुनिश्चित कर दिया जाए तो सरकारी धन की बड़ी बचत हो सकती है,सरकार का पैसा किसी समिति,अधिकारी या कर्मचारी की निजी राशि नहीं है,यह जनता का पैसा है और उसका इस्तेमाल भी जनता के हित में होना चाहिए,धान किसान का है, पैसा सरकार का है और जवाबदेही व्यवस्था की है,इसलिए इस बार सवाल केवल इतना नहीं कि शिवप्रसादनगर में साधना और सोहराब को फिर जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं,असली सवाल यह है कि क्या सरकार इस बार ऐसी व्यवस्था बनाएगी जिसमें किसी एक व्यक्ति के हाथ में धान,रिकॉर्ड और भुगतान-तीनों की ताकत एक साथ न रहे? अगर जवाब हां है तो आगामी खरीदी में बदलाव दिखाई देना चाहिए,अगर जवाब नहीं है तो फिर दो महीने बाद धान के साथ पुराने सवाल भी खरीदी केंद्रों पर लौट आएंगे।

साधना और सोहराब पर फिर भरोसा या इस बार नया चेहरा?

शिवप्रसादनगर की धान खरीदी व्यवस्था में साधना कुशवाहा और सोहराब अंसारी के नाम पहले भी चर्चा में रहे हैं,साधना कुशवाहा को लेकर पूर्व वर्षों की धान खरीदी में कमी और बाद की जिम्मेदारियों को लेकर सवाल उठ चुके हैं,वहीं सोहराब अंसारी को लेकर भी धान खरीदी से जुड़े मामलों में आरोप और शिकायतें सामने आने की बात कही गई है,यही वजह है कि अब आगामी धान खरीदी से पहले यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उन्हीं लोगों को फिर से जिम्मेदारी दी जाएगी जिनकी कार्यप्रणाली पहले से सवालों के घेरे में रही है? यदि विभाग इन लोगों को फिर जिम्मेदारी देता है तो उसके पीछे का प्रशासनिक आधार क्या होगा? क्या पिछले मामलों की जांच और कार्रवाई का परीक्षण किया जाएगा? क्या उनके पुराने रिकॉर्ड को देखा जाएगा? क्या जिम्मेदारी देने से पहले समिति और बैंक स्तर पर कोई निष्पक्ष समीक्षा होगी? और यदि चेहरा बदला जाता है तो क्या नई व्यवस्था वास्तव में पारदर्शी होगी या केवल कर्मचारी का नाम बदलकर वही पुरानी कार्यप्रणाली जारी रहेगी?

'जल, जन सेवा संकल्प यात्रा' की तैयारियों को लेकर सूरजपुर पहुंचे भाजयुमो पदाधिकारी

भैयाथान और प्रतापपुर के गांवों में होगा यात्रा का भव्य स्वागत,राष्ट्रीय प्रतिनिधि गौरव शर्मा व प्रदेश उपाध्यक्ष शुभम जायसवाल ने किया रूट का निरीक्षण

-संवाददाता-

सूरजपुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा प्रस्तावित 'जल,जन और सेवा संकल्प यात्रा' को लेकर सूरजपुर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं,यात्रा के स्थानीय रूट, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों,स्वागत, जनसंवाद और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने भाजयुमो के राष्ट्रीय प्रतिनिधि गौरव शर्मा तथा छत्तीसगढ़ भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी शुभम जायसवाल सूरजपुर पहुंचे। राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर और उनकी कर्मभूमि वाराणसी को जोड़ते हुए सेवा,जनसंवाद और सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण,स्वच्छता, जनसंवाद और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क जैसे कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं।

भैयाथान और प्रतापपुर क्षेत्र से गुजरेगी यात्रा- सूरजपुर जिले में यात्रा का प्रस्तावित मार्ग भैयाथान एवं प्रतापपुर विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से होकर निर्धारित किया गया है,स्थानीय स्तर पर रूट का भौतिक सत्यापन,पड़ावों की व्यवस्था और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए भाजयुमो पदाधिकारियों ने संबंधित क्षेत्रों का दौरा किया,सूरजपुर पहुंचने पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता एवं उनकी टीम ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों का स्वागत किया,इसके बाद संयुक्त दल ने प्रस्तावित रूट में शामिल ग्राम केवरा,करोंटी बी, चंदौरा, खड़गवांकला और अमनदोन का स्थलीय निरीक्षण किया।

युवा संवाद और योजनाओं के लाभार्थियों से होगा संपर्क-निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय प्रतिनिधि गौरव शर्मा ने कहा कि यह यात्रा केवल एक आयोजन नहीं,बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

यात्रा के दौरान चयनित गांवों में युवा संवाद,विचार गोष्ठी तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से प्रत्यक्ष संपर्क किया जाएगा,उन्होंने कार्यकर्ताओं से यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने और कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने की अपील की।

यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान-प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी शुभम जायसवाल ने कहा कि सूरजपुर जिले में यात्रा का भव्य और व्यवस्थित आयोजन करना कार्यकर्ताओं की प्राथमिकता है,उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से यात्रा के प्रवेश से लेकर प्रस्थान तक पूरी सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया,उन्होंने कहा कि यात्रा के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण तथा स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं,राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान में सेवा और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियों को प्रमुखता दी जा रही है,यात्रा के मार्ग में स्थानीय नागरिकों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद को भी अभियान का हिस्सा बनाया गया है।

मंडलों में हुआ पदाधिकारियों का स्वागत-प्रवास के दौरान विभिन्न मंडलों में भाजयुमो पदाधिकारियों का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया,ओड़गी मंडल अध्यक्ष प्रवीण जायसवाल,प्रतापपुर मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह,गोविन्दपुर मंडल अध्यक्ष अंकुर पटेल और जरही मंडल अध्यक्ष प्रतीक जायसवाल ने अपनी-अपनी टीम के साथ अतिथि पदाधिकारियों का अभिनंदन किया,इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल,मुकेश सिंह, मंडल उपाध्यक्ष निलेश प्रजापति,जिला उपाध्यक्ष अभय तिवारी,जिला मंत्री सहीम अंसारी,जिला मीडिया प्रभारी दीक्षित वर्मा,रोशन गुप्ता और विष्णु सोनी सहित जिले एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी,भाजयुमो सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे,भाजयुमो पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से यात्रा को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैगलेस डे पर छात्रों ने दिखाई प्रतिभा, बोर्ड परीक्षा क्विज में लिया हिस्सा

चित्रकला,आलेख लेखन और स्वच्छता अभियान में भी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

-संवाददाता-

सूरजपुर,14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में शनिवार को बैगलेस डे के अवसर पर अकादमिक,रचनात्मक और स्वच्छता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। बिना बस्ते के तनावमुक्त माहौल में विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ भाग लिया। आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में विशेष क्विज प्रतियोगिता शुरू की गई। प्राचार्य दिलीप तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में वर्ष 2020 से 2026 तक बोर्ड परीक्षाओं में पूछे गए विषयवार प्रश्नों को शामिल किया गया है। हाईस्कूल के विद्यार्थियों को पांच और हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों को चार समूहों में बांटा गया है। प्रतियोगिता अगले छह महीने तक प्रत्येक शनिवार को होगी। जनवरी में समापन समारोह आयोजित कर विजेता समूहों को पुरस्कृत किया जाएगा। विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता विकसित करने के लिए चित्रकला,पेंटिंग और आलेख लेखन प्रतियोगिता भी हुई। 'पेड़ अगर बोलते, तो वे हमसे क्या कहते?' विषय पर आयोजित आलेख प्रतियोगिता में तारा रानी ने प्रथम और वर्षा कुशवाहा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। श्रेष्ठ आलेख और कलाकृतियां विद्यालय की पत्रिका में प्रकाशित की जाएंगी। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। कक्षाओं और परिसर की सफाई के बाद राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने सभी को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई।

CMYK

बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए शारदा गुप्ता ने ठोकी दावेदारी

भाजपा जिलाध्यक्ष देबेंद्र तिवारी, विधायक भैयालाल राजवाड़े समेत वरिष्ठ नेताओं से की मुलाकात

कृष्ण बिहारी जायसवाल
पुर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

भैयालाल राजवाड़े
विधायक, बैकुंठपुर

देबेंद्र तिवारी
जिलाध्यक्ष, भाजपा

अनिल खटीक
मंडल अध्यक्ष, भाजपा

बैकुंठपुर नपा अध्यक्ष पद की रेस में शारदा गुप्ता

विधायक-जिलाध्यक्ष समेत दिग्गजों से की मुलाकात

नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर शारदा गुप्ता की नजर...भाजपा संगठन के सामने पेश की दावेदारी...

दो दशक की संगठनात्मक सक्रियता के साथ शारदा गुप्ता ने मांगा बैकुंठपुर नपा अध्यक्ष का टिकट...

भाजपा में नपा अध्यक्ष पद को लेकर बढ़ी हलचल,शारदा गुप्ता ने वरिष्ठ नेताओं के सामने रखा दावा...

बैकुंठपुर नपा अध्यक्ष पद की दौड़ तेज,शारदा गुप्ता ने संगठन के समक्ष जताई दावेदारी...

शारदा गुप्ता ने खोला अध्यक्ष पद का मोर्चा,भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर मांगा मौका...

संगठन से शहर तक सक्रियता का हवाला,शारदा गुप्ता ने बैकुंठपुर नपा अध्यक्ष पद के लिए पेश किया दावा...

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, विधायक भैयालाल राजवाड़े समेत वरिष्ठ नेताओं से की मुलाकात

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया, 14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

आगामी नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं,अध्यक्ष पद की सीट सामान्य होने की चर्चा के बीच भारतीय जनता पार्टी में दावेदारों की सक्रियता भी बढ़ गई है,इसी क्रम में भाजपा जिला मंत्री एवं कोरिया चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष शारदा प्रसाद गुप्ता ने नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के अध्यक्ष पद के लिएअपनी दावेदारी पेश की है। अपनी दावेदारी को लेकर शारदा प्रसाद गुप्ता ने भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्ण बिहारी जायसवाल तथा मंडल अध्यक्ष अनिल खटीक सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की, उन्होंने वरिष्ठ नेताओं के समक्ष संगठन के लिए किए गए अपने कार्यों,सामाजिक गतिविधियों और लंबे सार्वजनिक जीवन के अनुभव को रखते हुए अध्यक्ष पद के लिए अपनी इच्छा जाहिर की,बैकुंठपुर नगर पालिका के आगामी चुनाव को लेकर स्थानीय राजनीतिक हलकों में पहले से ही कई नामों की चर्चा है,हालिया स्थानीय रिपोर्टों में भी भाजपा के भीतर अध्यक्ष पद के लिए शारदा प्रसाद गुप्ता सहित कई संभावित दावेदारों के नाम सामने आए हैं, हालांकि पार्टी ने अभी तक अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

सामान्य सीट होने के बाद बढ़ी दावेदारों की सक्रियता

अध्यक्ष पद सामान्य अनारक्षित होने की जानकारी के बाद बैकुंठपुर में संभावित दावेदारों की गतिविधियां बढ़ी हैं,शारदा गुप्ता लंबे समय से भाजपा संगठन,सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी ओर से जारी जानकारी के अनुसार वे संगठन के विभिन्न दायित्वों के साथ सार्वजनिक जीवन में लगातार सक्रिय रहे हैं,उनका कहना है कि अध्यक्ष पद की दावेदारी केवल चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं,बल्कि शहर के विकास और नागरिक हितों के लिए अपनी लंबे समय की संगठनात्मक एवं सामाजिक सक्रियता को आगे बढ़ाने का अवसर है।

छात्र राजनीति से शुरू हुई राजनीतिक यात्रा

शारदा प्रसाद गुप्ता ने अपनी राजनीतिक एवं सामाजिक यात्रा की शुरुआत छात्र राजनीति से होने की बात कही है,उनके अनुसार बैकुंठपुर महाविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं और आवाज को सामने लाने के उद्देश्य से छात्र संघर्ष समिति के गठन में उन्होंने भूमिका निभाई, इससे पहले वे शासकीय सरस्वती शिशु मंदिर बैकुंठपुर के प्रथम छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में लगातार दो बार निर्वाचित हुए। इसके अलावा भोपाल स्थित आवासीय विद्यालय शारदा विहार में छात्रसंघ सचिव का दायित्व भी संभाला,उनके अनुसार विद्यार्थी जीवन में ही उनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संपर्क हुआ,इसके बाद वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए जिला सहसंयोजक की जिम्मेदारी तक पहुंचे, महाविद्यालयीन चुनावों में विद्यार्थी परिषद के लिए प्रभारी के रूप में भी काम करने की जानकारी उन्होंने दी है।

पढ़ाई के साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय

शारदा गुप्ता की ओर से जारी परिचय में उनके विद्यार्थी जीवन की विभिन्न उपलब्धियों का भी उल्लेख किया गया है, उनके अनुसार वे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ शतरंज,खो-खो,कुश्ती और मलखंभ जैसे खेलों में भी विभिन्न स्तरों पर प्रतिनिधित्व कर चुके हैं,इसके अलावा आकाशवाणी कार्यक्रम,मंच संचालन, तात्कालिक भाषण,कविता पाठ,अभिनय,निबंध लेखन और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किए। उनके अनुसार शारदा विहार भोपाल में अध्ययन के दौरान उनकी बहुआयामी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 'बेस्ट ऑलराउंडर' सम्मान भी दिया गया था।

भाजयुमो में 2010 से 2024 तक निभाई विभिन्न जिम्मेदारियां

प्रत्यक्ष राजनीतिक गतिविधियों की बात करें तो शारदा गुप्ता के अनुसार उन्होंने वर्ष 2010 से 2024 तक युवा मोर्चा कोरिया में विभिन्न पदों पर काम किया,इसके बाद लोकसभा सोशल मीडिया संयोजक,कोरबा के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली,संगठन के साथ-साथ व्यापारिक क्षेत्र में भी उनकी सक्रियता रही। वे कोरिया चेंबर ऑफ कॉमर्स के विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं,युवा जिला उपाध्यक्ष और महामंत्री के बाद वर्तमान में कोरिया चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की जानकारी दी गई है।

स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद संघ के विभिन्न दायित्वों में कार्य करने तथा स्वदेशी जागरण मंच में जिला बौद्धिक प्रमुख और जिला संयोजक के बाद वर्तमान में जिला समन्वयक के रूप में काम करने का उल्लेख उनके परिचय में है,इसके अलावा वे पूर्व में नेहरू युवा केंद्र कोरिया में भारत सरकार के महानिदेशक प्रतिनिधि के रूप में भी दायित्व निभा चुके हैं।

भाजपा में भी लगातार संगठनात्मक जिम्मेदारियां-वर्तमान में भाजपा जिला मंत्री के रूप में शारदा गुप्ता पार्टी के विभिन्न अभियानों और कार्यक्रमों में जिम्मेदारियां निभा रहे हैं,उनके अनुसार उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जन्मजयंती वर्ष के सहसंयोजक,जिला सेवा संकल्प अभियान संयोजक,जिला बजट प्रचार अभियान 2026 के सह-संयोजक,मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलए-1,जिला नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार टीम के सदस्य सहित विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया है,इसके अलावा भाजपा की जिला प्रशिक्षण टोली में सहसंयोजक के साथ प्रशिक्षक एवं विषय वक्ता की भूमिका निभाने की जानकारी भी दी गई है।

अब पार्टी नेतृत्व के निर्णय पर नजर

शारदा प्रसाद गुप्ता की दावेदारी के साथ बैकुंठपुर में भाजपा के भीतर अध्यक्ष पद के लिए राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा और तेज हो गई है,स्थानीय रिपोर्टों में शारदा गुप्ता के अलावा शैलेश शिवहरे,भानु पाल,पंकज गुप्ता सहित अन्य संभावित नामों की भी चर्चा सामने आई है,बैकुंठपुर नगर पालिका के पिछले अध्यक्ष चुनाव में बराबर मत आने के बाद लॉटरी से अध्यक्ष चुने जाने का मामला भी न्यायालय तक गया था और अप्रैल 2026 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जिला न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी थी, ऐसे में आगामी चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर चुनावी रणनीति तक हर कदम पर राजनीतिक दलों की नजर रहेगी, फिलहाल भाजपा ने अध्यक्ष पद के लिए किसी नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है,शारदा प्रसाद गुप्ता ने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर अपनी दावेदारी पार्टी के समक्ष रख दी है,अब संगठन उनके संगठनात्मक अनुभव,सामाजिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में सक्रियता,जनसंपर्क और स्थानीय राजनीतिक स्वीकार्यता को किस तरह देखता है,यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

बलरामपुर के 43 युवाओं को सेना भर्ती की निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग

-संवाददाता-

शंकरगढ़, 14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा का सपना देख रहे बलरामपुर जिले के युवाओं के लिए लक्ष्य शिक्षण संस्थान ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। सेना भर्ती की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके जिले के 43 अभ्यर्थियों को निःशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण की जिम्मेदारी पूर्व सैनिक मंगलेश्वर यादव और संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव संभालेंगे। जनवरी 2027 में प्रस्तावित सेना भर्ती के फिजिकल टेस्ट को देखते हुए शंकरगढ़ के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान को अभ्यास के लिए तैयार किया जा रहा है। संस्थान का प्रयास है कि अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित शारीरिक गतिविधियों के अनुरूप अभ्यास का माहौल स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराया जाए।

सेना भर्ती के अनुरूप तैयार हो रहा मैदान

प्रशिक्षण के लिए मैदान में रनिंग ट्रैक तैयार किया जा रहा है। मैदान से घास और अन्य अवरोधों को हटाने का काम शुरू हो चुका है। संस्थान के मुताबिक आगामी दो-तीन दिनों में मैदान को अभ्यर्थियों के नियमित अभ्यास के लिए तैयार कर लिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान 1600 मीटर दौड़,बीम यानी पुल-अप्स, 9 फीट डिच और जिग-जैग बैलेंसिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों का अभ्यास कराया जाएगा। इसके अलावा फिटनेस,खान-पान,शारीरिक क्षमता और अनुशासन को लेकर भी अभ्यर्थियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा।

संसाधनों की कमी से प्रतिभा प्रभावित न हो

लक्ष्य शिक्षण संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव का कहना है कि लिखित परीक्षा पास करना सेना भर्ती की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव है,लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के कई प्रतिभाशाली युवा उचित मार्गदर्शन और फिजिकल ट्रेनिंग के अभाव में अगले चरण में पीछे रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 43 अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया है।

दिन के साथ रात में भी होगा अभ्यास

प्रशिक्षण को केवल सुबह या शाम तक सीमित नहीं रखा जाएगा। संस्थान की योजना के अनुसार अभ्यर्थियों को अलग-अलग समय पर अभ्यास कराया जाएगा,ताकि वे विभिन्न परिस्थितियों में अपनी शारीरिक क्षमता को बेहतर कर सकें। इसके लिए शंकरगढ़ मैदान में फ्लड लाइट की व्यवस्था की जा रही है,जिससे रात में भी रनिंग और अन्य अभ्यास कराया जा सके। इस पहल से सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही नियमित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने की उम्मीद है। खासकर ग्रामीण पृष्ठभूमि के उन अभ्यर्थियों के लिए यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है,जिन्हें प्रशिक्षण के लिए दूर शहरों का रुख करना पड़ता है। हालांकि जनवरी 2027 की भर्ती प्रक्रिया में अंतिम मानक और कार्यक्रम संबंधित भर्ती प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। अभ्यर्थियों के लिए आधिकारिक भर्ती अधिसूचना और निर्धारित शारीरिक मानकों को ही अंतिम आधार माना जाना चाहिए।

ग्राम सभा और शिक्षा को मजबूत करना आदिवासी अधिकारों की रक्षा का आधार : बीपीएस पोया

रामेश्वरम के अंबेडकर भवन में आदिवासी अधिकार दिवस मनाया गया,छात्र-छात्राओं को वितरित की गई शैक्षणिक सामग्री

-संवाददाता-

रामानुजनगर/सूरजपुर, 14 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत रामेश्वरम स्थित अंबेडकर भवन में रविवार को आदिवासी अधिकार दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया,कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। अतिथियों का अक्षत-तिलक से स्वागत किया गया,कार्यक्रम की अध्यक्षता सोशल एक्टिविस्ट एवं सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग सूरजपुर के जिला अध्यक्ष बीपीएस पोया ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीपीएस पोया ने कहा कि आदिवासी समाज के अधिकार केवल कानून और सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है,अधिकारों की रक्षा के लिए गांव की ग्राम सभा को मजबूत करना और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ना सबसे महत्वपूर्ण है,उन्होंने बताया कि 13 सितंबर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा को अपनाया था,संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह घोषणा 143 देशों के समर्थन, चार के विरोध और 11 देशों के मतदान से विरत रहने के साथ अपनाई गई थी,यह स्वदेशी समुदायों के अधिकारों,पहचान, संस्कृति और सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज है।

जल,जंगल,जमीन के साथ भाषा और संस्कृति भी अधिकार-बीपीएस पोया ने कहा कि आदिवासी अधिकार केवल जल, जंगल और जमीन तक सीमित नहीं हैं,भाषा, संस्कृति,परंपरा,पहचान,सामुदायिक जीवन तथा अपने विकास से जुड़े निर्णयों में भागीदारी भी अधिकारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है,उन्होंने कहा कि पारंपरिक भूमि एवं प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अधिकारों की रक्षा, संस्कृति और भाषा का संरक्षण तथा विस्थापन,शोषण और भेदभाव से सुरक्षा के लिए समाज को जागरूक और संगठित होना होगा,उन्होंने पेसा कानून,वन अधिकार अधिनियम,ग्राम सभा की शक्तियों और सामुदायिक वन प्रबंधन के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी,उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पेसा नियम बनाए गए हैं,लेकिन इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना जरूरी है,उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन से अधिकार मांगने के साथ समुदाय को अपनी शक्तियों और ग्राम सभा की भूमिका को समझना होगा,जागरूक ग्राम सभा ही गांव, जंगल, जमीन और सामुदायिक हितों की प्रभावी रक्षा कर सकती है।

एक कदम गांव,ग्राम सभा और गोटुल शिक्षा की ओर-बीपीएस पोया ने समाज से शिक्षा और सामुदायिक जागरूकता को अभियान के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें एक कदम गांव की ओर,ग्राम सभा की ओर और एक कदम गोटुल शिक्षा की ओर बढ़ाना है, इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग आवश्यक है, उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को सामाजिक,शैक्षणिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी, गोटुल की सामुदायिक भावना को आधुनिक शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जोड़कर गांवों में शिक्षा का बेहतर वातावरण तैयार किया जा सकता है।

शिक्षा को पहली प्राथमिकता दें : बिरसा मुंडा-कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिरसा मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज को शिक्षा को पहली प्राथमिकता देनी चाहिए, आदिवासी जननायकों ने संघर्ष कर समाज को अधिकारों के लिए आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया है,उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को शिक्षित,जागरूक और सामाजिक-आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं,उन्होंने समाजहित में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया, विशिष्ट अतिथि ज्योति सांगा ने भी शिक्षा पर जोर देते हुए कहा आधे रोटी खाएंगे, फिर भी स्कूल जाएंगे, उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के बेहतर भविष्य और समाज के विकास की मजबूत नींव है।

छात्र-छात्राओं को बांटी शैक्षणिक सामग्री

आदिवासी अधिकार दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं को पेन,चार्ट बोर्ड सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई,बच्चों को नियमित पढ़ाई करने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया,कार्यक्रम में मोतीलाल उर्रे, सोनसाय मरकाम,दीपक मरावी,प्रमोद सिंह मरावी (कार्यकारिणी अध्यक्ष,सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग रामानुजनगर),दिनेश सिंह उर्रे (उपाध्यक्ष,आदिवासी युवा छात्र संगठन रामानुजनगर),भगवत सिंह नेताम,बबीता,मनीषा,लक्ष्मी एवं शांति सहित गोटुल शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

दाऊद की कहानी पर्दे पर लाएंगे राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी

बॉलीवुड में गैंगस्टर और अंडरवर्ल्ड पर आधारित फिल्मों का लंबा इतिहास रहा है। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा और निर्देशक मोहित सूरी से जुड़ी एक नई फिल्म चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह प्रोजेक्ट अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और मुंबई के संगठित अपराध की पृष्ठभूमि से प्रेरित होगा। फिल्म को लेकर दावा किया जा रहा है कि इसका स्केल बड़ा होगा और इसे हाल की चर्चित फिल्म 'धुरंधर' से भी बड़े स्तर पर तैयार करने की योजना है। हालांकि प्रोजेक्ट की कास्ट, रिलीज डेट और कहानी से जुड़ी पूरी आधिकारिक जानकारी सामने आने तक इन विवरणों को अंतिम नहीं माना जा सकता। राम गोपाल वर्मा यानी आरजीव्ही इससे पहले भी मुंबई अंडरवर्ल्ड और अपराध की दुनिया को पर्दे पर उतार चुके हैं। 'सत्या', 'कंपनी' और 'डी' जैसी फिल्मों के कारण गैंगस्टर जॉनर के साथ उनका नाम प्रमुखता से जुड़ा रहा है। ऐसे में दाऊद इब्राहिम और मुंबई अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि वाले नए प्रोजेक्ट की चर्चा ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिर अंडरवर्ल्ड की दुनिया में लौटेंगे आरजीव्ही?

राम गोपाल वर्मा की फिल्मों में अपराध की दुनिया को अलग अंदाज में दिखाया जाता रहा है। उनकी फिल्मों में केवल गैंगवार ही नहीं बल्कि अपराध की दुनिया में सत्ता, विश्वासघात, राजनीति और आपसी संघर्ष जैसे पहलुओं को भी जगह मिलती रही है। अगर नया प्रोजेक्ट दाऊद इब्राहिम की कहानी से प्रेरित होता है तो यह पहली बार नहीं होगा जब हिंदी सिनेमा में मुंबई अंडरवर्ल्ड के इस अध्याय को पर्दे पर दिखाने की कोशिश की जाएगी। इससे पहले भी कई फिल्में और वेब सीरीज प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुंबई के अंडरवर्ल्ड और उससे जुड़े किरदारों से प्रेरित रही हैं। हालांकि किसी वास्तविक अपराधी पर आधारित फिल्म में तथ्य और कल्पना के बीच अंतर स्पष्ट रखना महत्वपूर्ण होता है। फिल्म निर्माता कई बार वास्तविक घटनाओं से प्रेरणा लेकर काल्पनिक किरदार और घटनाएं भी जोड़ते हैं।

मोहित सूरी के जुड़ने से बढ़ी चर्चा

मोहित सूरी हिंदी सिनेमा में रोमांटिक और थ्रिलर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। 'आशिकी 2', 'एक विलेन' और 'मलंग' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी फिल्मों में संगीत और भावनात्मक कहानी को खास महत्व मिलता रहा है। अब अगर वह राम गोपाल वर्मा के साथ गैंगस्टर जॉनर के किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ते हैं तो दर्शकों को दोनों फिल्ममेकर्स की अलग-अलग शैली का मेल देखने को मिल सकता है। एक तरफ आरजीव्ही का गैंगस्टर फिल्मों का अनुभव है तो दूसरी तरफ मोहित सूरी की थ्रिलर और इमोशनल स्टोरीटेलिंग की पहचान। यही वजह है कि दोनों के संभावित सहयोग को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में उत्सुकता दिखाई दे रही है।

धुरंधर' से बड़ी फिल्म बनाने का दावा

इस प्रोजेक्ट को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उस दावे की हो रही है जिसमें फिल्म को 'धुरंधर' से भी बड़ा बताया जा रहा है। यहां 'बड़ी' फिल्म से मतलब बजट, स्टारकास्ट, कहानी के दायरे या प्रोडक्शन स्केल से हो सकता है। इसकी वास्तविक तस्वीर फिल्म से संबंधित आधिकारिक घोषणा के बाद ही साफ होगी। किसी फिल्म का स्केल केवल उसके बजट से तय नहीं होता। लोकेशन, कलाकारों की संख्या, एक्शन सीक्वेंस, विजुअल इफेक्ट्स और कहानी की समयावधि जैसे कई पहलू इसमें महत्वपूर्ण होते हैं। अगर फिल्म मुंबई अंडरवर्ल्ड के कई दशकों के इतिहास को समेटती है तो इसके लिए अलग-अलग दौर को पर्दे पर दोबारा तैयार करना बड़ी चुनौती होगी।

दाऊद इब्राहिम की कहानी पर पहले भी बनी हैं फिल्में

भारतीय सिनेमा में दाऊद इब्राहिम और मुंबई अंडरवर्ल्ड से प्रेरित किरदार पहले भी दिखाई देते रहे हैं। हालांकि कई फिल्मों में सीधे वास्तविक नामों का इस्तेमाल करने के बजाय काल्पनिक नाम और घटनाएं दिखाई गई हैं। आरजीव्ही की 'कंपनी' को भी मुंबई अंडरवर्ल्ड की घटनाओं से प्रेरित माना जाता रहा है। फिल्म में संगठित अपराध, गैंग के भीतर मतभेद और अपराध की दुनिया के बदलते समीकरण दिखाए गए थे। इसी तरह हिंदी सिनेमा में 'डी', 'ब्लैक फ्राइडे', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'वंस अपॉन अ टाइम इन मुंबई' और कई अन्य फिल्मों ने अलग-अलग समय में मुंबई के अपराध जगत की कहानियों को पर्दे पर उतारा है।

कौन निभाएगा मुख्य किरदार?

नई फिल्म को लेकर सबसे बड़ा सवाल इसकी स्टारकास्ट का है। दाऊद इब्राहिम से प्रेरित केंद्रीय किरदार कौन निभाएगा, इसे लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। ऐसे किरदार के लिए अभिनेता का चयन फिल्म के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। अगर कहानी कई दशकों में फैली होती है तो कलाकार को किरदार की उम्र और व्यक्तित्व में आने वाले बदलावों को भी पर्दे पर दिखाना पड़ सकता है। इसके अलावा अंडरवर्ल्ड की कहानी में कई अन्य महत्वपूर्ण किरदार होने की संभावना रहती है। इसलिए फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट देखने को मिल सकती है, लेकिन आधिकारिक घोषणा से पहले किसी कलाकार का नाम निश्चित रूप से जोड़ना उचित नहीं होगा।

मुंबई अंडरवर्ल्ड की कहानी क्यों खींचती है दर्शकों का ध्यान?

मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर बनी फिल्मों को लंबे समय से दर्शकों का ध्यान मिलता रहा है। इसकी एक वजह यह है कि इन कहानियों में अपराध के साथ सत्ता, पैसा, राजनीति और कानून के बीच संघर्ष जैसे कई तत्व मौजूद होते हैं। फिल्मकारों के लिए भी यह जॉनर कई तरह की कहानियां कहने का अवसर देता है। किसी गैंग के बनने से लेकर उसके टूटने तक या अपराध की दुनिया में दो लोगों के बीच संघर्ष तक कई अलग-अलग कथानक तैयार किए जा सकते हैं। लेकिन वास्तविक घटनाओं पर आधारित कहानी बनाते समय तथ्यात्मक सटीकता और कानूनी सावधानी भी जरूरी होती है। किसी व्यक्ति के बारे में अप्रमाणित आरोप को तथ्य के रूप में दिखाना विवाद पैदा कर सकता है।

रिलीज डेट का इंतजार

फिल्म को लेकर चर्चा शुरू होने के बाद अब दर्शकों की नजर इसकी आधिकारिक घोषणा पर रहेगी। प्रोजेक्ट का नाम क्या होगा, शूटिंग कब शुरू होगी, कौन-कौन से कलाकार इसमें दिखाई देंगे और फिल्म सिनेमाघरों में कब आएगी–इन सवालों के जवाब आने बाकी हैं। अगर राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी इस प्रोजेक्ट पर साथ आते हैं तो दोनों की फिल्ममेकिंग शैली का मेल इसकी सबसे बड़ी खासियत हो सकता है। आरजीव्ही का गैंगस्टर सिनेमा का अनुभव और मोहित सूरी की थ्रिलर तथा इमोशनल स्टोरीटेलिंग इसे अलग रूप दे सकती है। फिलहाल दाऊद इब्राहिम और मुंबई अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर बनने वाली इस कथित फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। वहीं 'धुरंधर' से बड़ी फिल्म बनाने का दावा भी चर्चा में है। अब फिल्म की आधिकारिक घोषणा और उससे जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही साफ होगा कि यह प्रोजेक्ट वास्तव में कितना बड़ा होने वाला है।

मुझे नहीं पता वो शादीशुदा थे,गोविंदा संग अफेयर पर नीलम कोठारी ने तोड़ी चुप्पी,एक्ट्रेस के प्यार में दीवाने थे एक्टर

नीलम कोठारी ने गोविंदा संग पुराने अफेयर की अफवाहों पर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वह उस समय बहुत छोटी थीं और गोविंदा की शादी की जानकारी उन्हें बाद में मिली। पति समीर सोनी ने भी प्रतिक्रिया दी। 90 के दशक की चर्चित बॉलीवुड अभिनेत्री नीलम कोठारी ने हाल ही में अपने और अभिनेता गोविंदा के रिश्ते को लेकर सालों से चली आ रही चर्चाओं पर खुलकर बात की है। दोनों ने अपने करियर के शुरुआती दौर में कई फिल्मों में साथ काम किया था और इसी दौरान उनके बीच कथित नजदीकियों की खबरें भी सामने आती रही थीं। अब एक हालिया इंटरव्यू में नीलम ने उन पुराने किस्सों पर अपनी बात रखी और बताया कि उस समय वह काफी छोटी थीं। इतना ही नहीं, उन्हें यह जानकारी भी नहीं थी कि गोविंदा पहले से शादीशुदा थे। 56 वर्षीय नीलम कोठारी ने इस बातचीत में साफ किया कि उस उम्र में उनका ध्यान रिश्ते बनाने से ज्यादा अपने करियर और फिल्मों पर था। इंटरव्यू के दौरान उनके पति और अभिनेता समीर सोनी भी उनके साथ मौजूद थे। उन्होंने भी कहा कि कई दशक पुरानी किसी ऐसी बात को लेकर उन्होंने कभी अपने मन में कोई बोझ नहीं रखा, जिसके बारे में उन्हें खुद कोई जानकारी नहीं थी।

मुझे नहीं पता था कि वह शादीशुदा हैं

टाइम्स नाओ के साथ बातचीत के दौरान जब नीलम से कहा गया कि गोविंदा ऑफ-स्क्रीन उनसे प्यार करते थे तो अभिनेत्री ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह उस समय बहुत छोटी थीं। उन्होंने बताया कि उन्हें यह पता ही नहीं था कि गोविंदा शादीशुदा हैं और इस बारे में उन्हें बाद में जानकारी मिली। नीलम की बात पर समीर सोनी ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि करीब 20 साल पहले क्या हुआ था या शायद हुआ भी था, इसे लेकर उन्होंने कभी खुद को परेशान नहीं किया। समीर ने यह भी कहा कि जब उन्हें उस समय की बातों के बारे में जानकारी ही नहीं थी, तो वह उसे लेकर आज कोई धारणा कैसे बना सकते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि गोविंदा आज भी यह दावा करते हैं कि वह नीलम के प्यार में बुरी तरह पड़ गए थे।

सेट पर सभी का मिलता था भरपूर प्यार

नीलम के मुताबिक फिल्म सेट पर उनके साथ सभी लोग काफी प्यार से पेश आते थे। उनके को-स्टार भी उन्हें एक छोटी बच्ची की तरह ट्रीट करते थे और उनका काफी ख्याल रखते थे। इस दौरान समीर सोनी ने खासतौर पर जैकी श्रॉफ और संजय दत्त का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि दोनों अभिनेता नीलम को लेकर काफी प्रोटेक्टिव रहते थे। नीलम और गोविंदा ने 1980 के दशक और 1990 के शुरुआती वर्षों में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया और लगातार साथ काम करने की वजह से उनके ऑफ-स्क्रीन रिश्ते को लेकर भी अटकलें लगती रहीं।

गोविंदा ने खुद कबूली थी नीलम के लिए भावनाएं

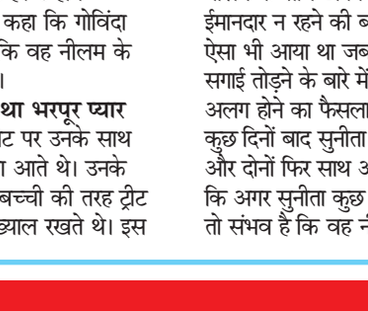

नीलम को लेकर गोविंदा ने वर्षों पहले अपने इंटरव्यू में खुलकर अपनी भावनाओं का जिक्र किया था। 1990 में स्टारडस्ट को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने स्वीकार किया था कि नीलम के साथ लगातार काम करने और बार-बार मिलने के कारण उनके मन में अभिनेत्री के लिए लगाव बढ़ता गया था। गोविंदा ने बताया था कि नीलम ऐसी महिला थीं, जिनसे कोई भी व्यक्ति प्रभावित हो सकता था और वह खुद भी उनके प्यार में पड़ गए थे। उस समय गोविंदा का रिश्ता सुनीता आहूजा के साथ था, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में उनके इस रिश्ते को लंबे समय तक सार्वजनिक तौर पर ज्यादा चर्चा नहीं मिली थी। गोविंदा ने यह भी बताया था कि वह सुनीता से अक्सर नीलम की तारीफ किया करते थे। यहां तक कि वह सुनीता को नीलम जैसी बनने की सलाह भी देते थे। इससे दोनों के रिश्ते में तनाव पैदा होता था। सुनीता को यह बात पसंद नहीं आती थी और वह गोविंदा से कहती थीं कि उन्होंने उन्हें उनके व्यक्तित्व की वजह से पसंद किया था, इसलिए उन्हें बदलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

गोविंदा ने माना था कि वह काफी उलझन में थे

अपने पुराने इंटरव्यू में गोविंदा ने यह भी बताया था कि सुनीता के साथ उनका रिश्ता उनके फिल्मी करियर शुरू होने से पहले का था। उन्होंने स्वीकार किया था कि शुरुआत में रोमांस और रिश्तों को लेकर उनके मन में कई तरह की उलझनें थीं। नीलम के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी उन्होंने ईमानदार न रहने की बात मानी थी। एक समय ऐसा भी आया था जब गोविंदा ने सुनीता से अपनी सगाई तोड़ने के बारे में सोचा। उन्होंने सुनीता से अलग होने का फैसला भी कर लिया था। हालांकि, कुछ दिनों बाद सुनीता ने उनसे दोबारा संपर्क किया और दोनों फिर साथ आ गए। गोविंदा ने कहा था कि अगर सुनीता कुछ दिनों बाद वापस नहीं आतीं, तो संभव है कि वह नीलम से शादी कर लेते।

खेल-समाचार

एशिया कप जीत पर महिला टीम को मिली बधाइयां

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु,उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को महिला टी20 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'एक्स' पर कहा कि भारतीय महिला टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी मुकाबले जीते और देश का मान बढ़ाया। उन्होंने खिलाड़ियों को युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत बताते हुए भविष्य में भी सफलता की नई कहानियां रचने की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के लिए जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों का समर्पण,अनुशासन और टीम भावना देश के लिए गौरव का विषय है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला खिलाड़ियों की जीत का सिलसिला, बेहतरीन टीम वर्क और अटूट संकल्प देश का मान बढ़ाने वाला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को बड़े सपने देखने, खेलों को अपनाने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने जूनियर महिला हॉकी टीम को एशिया कप का खिताब बरकरार रखने और पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहने के लिए भी बधाई दी।

जूनियर पुरुष हॉकी टीम की फाइनल में 4-1 की जीत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों का कौशल,अनुशासन और दृढ़ संकल्प प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय महिला टीम को एशिया कप जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि यह भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम का आत्मविश्वास, निरंतरता और शानदार जज्बा देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह जीत देशभर के लाखों युवाओं को खेलों से जुड़ने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारतीय महिला टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाए बिना खिताब जीता और आठवीं बार एशिया कप अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि हर मुकाबले में आत्मविश्वास,अनुशासन और टीम भावना के साथ खेलते हुए महिला क्रिकेटरों ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन किया। बिरला ने कहा कि यह जीत केवल एक ट्रॉफी तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की बेटियों की शक्ति, मेहनत और सपनों की जीत है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला खिलाड़ियों की यह उपलब्धि युवाओं, विशेषकर बेटियों को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप 2026 का खिताब जीता। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट का अपना आठवां खिताब हासिल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने पिछले संस्करण के फाइनल में श्रीलंका से मिली हार का भी हिसाब चुकता कर दिया।

जिम्बाब्वे के खिलाफ बदला लेने उतरेंगे नाथन एलिस

हरारे ,14 सितम्बर 2026। ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ नाथन एलिस 2027 वनडे वर्ल्ड कप की टीम में जगह बनाने के लिए पूरी कोशिश करने को तैयार हैं। उनका कहना है कि आगे छह वनडे मैच होने हैं, इसलिए टीम ज़्यादा से ज़्यादा जानकारी इकट्ठा करने और अगले साल होने वाले बड़े टूर्नामेंट (जिसकी मेज़बानी दक्षिण अफ़्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया मिलकर करेंगे) के लिए एक अच्छा कॉम्बिनेशन तैयार करने की कोशिश करेगी। एलिस अभी हरारे में हैं और ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ तीन मैचों की सीरीज़ की तैयारी कर रहे हैं, जो मंगलवार से शुरू होगी। इसके अलावा, वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ़्रीका के खिलाफ़ भी तीन वनडे मैच खेलेंगे, क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 2027 के 50-ओवर वाले वर्ल्ड कप में अपने ख़िताब को बचाने की तैयारी कर रही है।

एलिस ने वनडे में ऑस्ट्रेलिया का कभी-कभी ही प्रतिनिधित्व किया है; उन्होंने 22 मैचों में 34.53 की औसत से 28 विकेट लिए हैं,जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/33 रहा है। पिछले कुछ सालों में, वह ङ्क20ढ्ढ टीम का एक अहम हिस्सा रहे हैं, जहाँ उन्होंने 39 मैचों में 18.06 की औसत से 58 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/12 रहा है। एलिस ऑस्ट्रेलिया के आने वाले मैचों (जिसमें इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ तीन वनडे भी शामिल हैं) की अहमियत समझते हैं, क्योंकि इन मैचों से टीम को उन हालात का अंदाज़ा होगा जिनका सामना उन्हें अगले साल 50-ओवर वाले बड़े टूर्नामेंट में करना होगा।

न्यायालय-कु. आकांक्षा बेक,तृतीय व्यवहार न्यायाधिश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर (छ0ग0)

प्रो.क्र 292/2026
प्रकरण क्रमांक -अपंजीकृत एमजेसी
पेशी दिनांक 28.09.2026

सेनेटरी स्टेशन - वादी
देव कृषि फर्म विरु - प्रतिवादी

बनाम -

01. देवकृषि फर्म एवं जनरल एजेंसीज द्वारा प्रो. अभिषेक गुप्ता पिता- राम खिलावन गुप्ता गांधी पुतला के पास मेन रोड गांधी चौक अंबिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. 497 001

वादी ने आप प्रतिवादी के विरुद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश -9, नियम -9, सहपठित धारा-151व्य.प्र.सं. संलग्न किया गया है। आपको न्यायालय में तारीख 28.09.2026 को दिन में 11: 00 बजे उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समंस किया जाता है। आप स्वयं न्यायालय में या ऐसे किसी प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिस सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस बात से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जा रहा है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों को जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपको प्रतिरक्षा या मुजराई दावा या दावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे में हो या अपना प्रतिरक्षा या मुजराई को दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भरता करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो प्रकरण की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

आज तारीख 19/8/26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।

नोट - यदि कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है यह कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

सील

(आकांशा बेक)
तृतीय व्यवहार न्यायाधिश वरिष्ठ श्रेणी रायपुर छ. ग.

पहले टी 20 आई के लिए इंग्लैंड ने किया प्लेइंग इलेवन का ऐलान

ब्रिसबेन,14 सितम्बर 2026। इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन इलेवन का ऐलान कर दिया है। इस मैच में 29 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज एन्यूरिन डोनाल्ड डेब्यू करने जा रहे हैं। वह इंग्लैंड की तरफ से अपना पहला मैच खेलेंगे। दरअसल चोट लगने की वजह से फिल साल्ट इस मैच में नहीं खेल पाएंगे, इसलिए अब एन्यूरिन डोनाल्ड कप्तान जोस बटलर के साथ मिलकर पारी की शुरुआत करेंगे। डोनाल्ड एक आक्रामक बल्लेबाज हैं। उन्होंने जुलाई 2016 में ग्लैमर्गन के लिए खेलते हुए केवल 19 साल की उम्र में फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने के मामले में रवि शास्त्री के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि - 09/09/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Lig in करें http://eproc,csstate.gov.in
02. संबंधित संभाग - स.क्र. 1 से 3 रामानुजगंज, स.क्र. 04 से 05 पत्थलगांव एवं स.क्र. 6 सूरजपुर संभाग
03. स.क्र. 1 से 3 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार एवं स.क्र. 4 से 6 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि- 28.09.2026

स. क्र.	एन.आई. टी.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत लागत (रू0 लाख)	अमानत लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	159	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कुसमी एवं रामानुजगंज अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गो में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	160.00
2	160	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग वाड्रफनगर अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गो में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	179.99
3	161	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग रामानुजगंज अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गो में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	.159.77
4	162	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 2 पत्थलगांव अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी. टी. पैच 7 रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	33.60
5	163	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 पत्थलगांव अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	84.74
6	164	कलेक्टर बंगला सूरजपुर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	15.07

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल,अम्बिकापुर

जी0नं0 -262703205/4

मुख्यमंत्री ने जापानी विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद : छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से कराया परिचित

भारत-जापान के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को शिक्षा और तकनीक दे रहे नया विस्तार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,14 सितंबर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में जापान की एहिमे यूनिवर्सिटी से आए 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। भारत-जापान इंटर एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर छत्तीसगढ़ पहुंचे विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री साय ने आत्मीय संवाद किया। इस दौरान भारत और जापान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों,बौद्ध विरासत,शिक्षा,अनुसंधान,तकनीकी नवाचार, स्टार्टअप तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच बढ़ते संवाद सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जापानी छात्र-छात्राओं का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि भारत और जापान की मित्रता की जड़ें दोनों देशों की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह संबंध संस्कृति और आध्यात्मिकता से आगे बढ़कर शिक्षा, विज्ञान,तकनीक,नवाचार और आर्थिक सहयोग के अनेक क्षेत्रों तक विस्तृत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और जापान आज परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय के साथ विश्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव है। युवाओं तथा विद्यार्थियों के बीच इस प्रकार के शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से यह संबंध आने वाली पीढ़ियों में और अधिक मजबूत होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की भूमि है। भगवान बुद्ध के शांति,करुणा,मैत्री और मानव कल्याण के संदेश ने दुनिया के अनेक देशों को प्रभावित किया और जापान की संस्कृति में भी बौद्ध दर्शन की गहरी छाप दिखाई देती है। यही साझा आध्यात्मिक विरासत भारत और जापान को एक विशिष्ट सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ती है।

मुख्यमंत्री ने साझा किए जापान यात्रा के अनुभव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी जापान यात्रा से जुड़े अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने जापान की अनुशासित कार्यसंस्कृति,तकनीकी प्रगति और अपनी परंपराओं के प्रति सम्मान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान ने आधुनिक विज्ञान और तकनीक में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को जिस प्रकार सहेजकर रखा है,वह प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि भारत भी अपनी हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों को साथ लेकर आधुनिक तकनीक,नवाचार और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में भारत और जापान के युवाओं के बीच बढ़ता संवाद दोनों देशों के भविष्य के संबंधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिक्षा और तकनीक से खुलेंगी सहयोग की नई संभावनाएं

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और ज्ञान,अनुसंधान,नवाचार तथा तकनीक विकास के सबसे महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। भारत और जापान के शैक्षणिक संस्थानों के बीच बढ़ता सहयोग विद्यार्थियों को नई तकनीकों,शोध और नवाचार से जुड़ने के अवसर उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एहिमे यूनिवर्सिटी और छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षण एवं तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों के बीच संवाद से भविष्य में संयुक्त अनुसंधान,तकनीकी सहयोग,स्टार्टअप और इनोवेशन के नए अवसर विकसित हो सकते हैं। ऐसे कार्यक्रम दो देशों के बीच केवल संस्थागत संबंध ही नहीं बनाते,बल्कि युवाओं के बीच मित्रता और आपसी समझ का मजबूत आधार भी तैयार करते हैं।

भारतीय संस्कृति और छत्तीसगढ़ की आत्मीयता से प्रभावित हुए जापानी विद्यार्थी

जापानी छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के साथ अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के अनुभव भी साझा किए। विद्यार्थियों ने बताया कि रायपुर में उन्हें अत्यंत आत्मीय अनुभव हुआ। यहां की संस्कृति, परंपराओं और लोगों के सहज एवं आत्मीय व्यवहार ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। विद्यार्थियों ने भारतीय खान-पान की भी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान उन्हें गणेश उत्सव की परंपराओं और उसके सांस्कृतिक महत्व को करीब से जानने का अवसर मिला। जापानी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बताया कि उन्होंने मेहंदी लगवाई और भारतीय परिधानों की खरीदारी भी की। विद्यार्थियों ने कहा कि इस यात्रा ने उन्हें भारत को पुस्तकों और कक्षाओं से आगे बढ़कर यहां के समाज,संस्कृति और जीवनशैली के माध्यम से समझने का अवसर दिया है। मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों के अनुभव सुनकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी सहजता, आत्मीयता और अतिथि सत्कार की परंपरा के लिए जाना जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे यहां से छत्तीसगढ़ की सुखद स्मृतियां लेकर जाएं और भविष्य में पुनः प्रदेश आएं।

उन्होंने जापानी विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध पुरातात्विक विरासत की जानकारी देते हुए सिरपुर,मैनपाट और भोंगापाल जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महानदी के तट पर स्थित सिरपुर छत्तीसगढ़ की प्राचीन सभ्यता, कला, स्थापत्य और बौद्ध विरासत का अद्भुत केंद्र है। यहां प्राप्त पुरातात्विक अवशेष प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और विभिन्न संस्कृतियों के समन्वय की कहानी बताते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक,पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया में नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सिरपुर को विश्वस्तरीय ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि दुनिया के विभिन्न देशों से आने वाले विद्यार्थी, शोधार्थी और पर्यटक छत्तीसगढ़ आएं,यहां की विरासत को जानें और प्रदेश के साथ ज्ञान एवं संस्कृति का एक स्थायी संबंध स्थापित करें। छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान जापानी छात्र प्रतिनिधिमंडल ने एनआईटी रायपुर के विभिन्न रिसर्च सेंटरों और इन्क्यूबेशन सेंटर का भी भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने वहां संचालित स्टार्टअप की गतिविधियों,अनुसंधान परियोजनाओं और विकसित की जा रही नई तकनीकों की जानकारी ली। विशेष रूप से ऐसे स्टार्टअप ने जापानी विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया,जो तकनीक के माध्यम से आम लोगों की दैनिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान विकसित कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर,अनुसंधान और नवाचार आधारित सहयोग की संभावनाओं में रुचि दिखाई।

उल्लेखनीय है कि भारत-जापान इंटर एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत एहिमे यूनिवर्सिटी का 17 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर छत्तीसगढ़ आया है। प्रतिनिधिमंडल ने अपने प्रवास के दौरान एनआईटी रायपुर के विभिन्न रिसर्च सेंटरों का भ्रमण किया और शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने परिवारजनों के साथ विधि-विधान से की गणपति की स्थापना और पूजा-अर्चना

रायपुर,14 सितंबर 2026। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा,भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख,समृद्धि,उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम,सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाला...चेतन बोरघरिया के खाते में जमा हुए 66.64 लाख

ईडी का दावा-170 ट्रांजेक्शन मिले,मैरिज पैलेस में बांटे प्रश्नपत्र,भूपेश के ओएसडी थे...

रायपुर,14 सितंबर 2026। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग पेपर लीक मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के तत्कालीन ओएसडी चेतन बोरघरिया को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने चेतन बोरघारिया से पूछताछ की है। ईडी के अनुसार चेतन के बैंक खाते में 170 ट्रांजेक्शन के जरिए 66.64 लाख कैश जमा हुए। चेतन बोरघरिया और उत्कर्ष चंद्राकर के बीच कई वित्तीय लेन-देन भी सामने आए हैं। ईडी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा 2021 में कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले ही लीक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया गया था। प्रिलिम्स एग्जाम से पहले रायपुर के सिद्धि विनायक मैरिज पैलेस में अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र बांटा गया। इसके बाद बरनवापारा अभयारण्य के एक रिसॉर्ट में ठहराकर मुख्य परीक्षा के लीक प्रश्नपत्र के आधार पर कथित तौर पर कोचिंग दी गई।

3 करोड़ से ज्यादा की अवैध रकम लेने का आरोप : ईडी की जांच के मुताबिक, उत्कर्ष चंद्राकर, अनिल चंद्राकर और डॉ. विकास चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य सेवा परीक्षा 2021 के अलग-अलग अभ्यर्थियों से 3 करोड़ रुपए से ज्यादा की कथित अवैध रकम जुटाई। आरोप है कि अभ्यर्थियों को पहले ही प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने और उनका चयन कराने का भरोसा दिया गया था। इसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय में अपने कथित संपर्क और प्रभाव का इस्तेमाल करने की बात कही गई। जांच में यह भी सामने आया कि ऐसे आश्वासनों के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय में ओएसडी रहे चेतन बोरघरिया के नाम और उनके आधिकारिक पद का कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया।

मोबाइल की फोरेंसिक जांच में बातचीत सामने आई : ईडी के मुताबिक,जब्त डिजिटल डिवाइस की फोरेंसिक जांच में चेतन बोरघरिया और उत्कर्ष चंद्राकर के बीच हुई बातचीत सामने आई। इनमें वित्तीय लेन-देन और रकम वापस करने या भुगतान की मांग से संबंधित बातचीत भी शामिल थी। जांच में M/s Figurecave E-Com (OPC) Private Limited से जुड़े कई वित्तीय लेन-देन भी सामने आए हैं। ईडी को संदेह है कि इस कंपनी का इस्तेमाल रकम को अलग-अलग स्तर पर घुमाने और फंड की लेयरिंग के लिए किया गया।

पीएमएलए की धारा 19 में गिरफ्तारी : ईडी ने कहा कि जांच के दौरान जुटाए गए डिजिटल साक्ष्य,बैंकिंग लेन-देन और पीएमएलए के तहत दर्ज बयानों से चेतन बोरघरिया की अपराध से अर्जित रकम से जुड़े कामों में कथित संलिप्तता सामने आई है। इनमें रकम हासिल करना, अपने कब्जे में रखना, छिपाना और उसका इस्तेमाल करना शामिल है। इसके आधार पर चेतन बोरघरिया को पीएमएलए की धारा 19 के तहत 11 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। ईडी के अनुसार, चेतन बोरघरिया वर्तमान में बलरामपुर-रामानुजगंज में अतिरिक्त कलेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। यह मामला 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया।

इस दौरान योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पदों पर अपने नजदीकी लोगों को पद दिलवाने का खेल हुआ। प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी। जांच एजेंसी ने छापेमारी में कई दस्तावेज और आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद किए हैं।

पुलिसकर्मी के दबाव में सहमति स्वीकार नहीं : हाईकोर्ट

आरक्षक ने विधवा आदिवासी महिला से किया दुष्कर्म,गिरफ्तारी से बचने लगाई याचिका खारिज

बिलासपुर,14 सितंबर 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि,पुलिस के पास राज्य की ओर से मिली संस्थागत शक्ति होती है। ऐसे में पीड़िता कई बार स्वतंत्र इच्छा से नहीं,बल्कि कानूनी कार्रवाई के भय के कारण भी सहमति दे सकती है। इसलिए आरोपी के बचाव में सहमति वाले तथ्य को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने आदिवासी विधवा महिला से दुष्कर्म के आरोपी आरक्षक की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी है। मामला जशपुर जिले के कांसाबेल थाना क्षेत्र का है। जहां पदस्थ आरक्षक रूद्रमणी यादव ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। आरोप है कि रुद्रमणि यादव साल 2023 में फेसबुक के जरिए विधवा महिला से पहले दोस्ती की,जिसके बाद उससे बातचीत करने लगा।

महिला से दुष्कर्म,प्रेग्नेंट होने पर कराया अबॉर्शन : महिला ने उसके खिलाफ थाने में केस दर्ज कराई है,जिसमें उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। लगातार शारीरिक संबंध बनाने पर महिला गर्भवती हो गई, जिसके बाद आरक्षक ने उसका गर्भपात करा दिया। इसके बाद आरोपी आरक्षक ने उसे धमकी देने लगा। उसकी तस्वीरें रिश्तेदारों और परिचितों में वायरल कर दिया। महिला को जमीन दिलाने के नाम पर दो लाख रुपए लेने का आरोप भी ले लिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी आरक्षक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हाईकोर्ट ने कहा...परिस्थिति का फायदा उठा सकता है पुलिसकर्मी : आरोपी की ओर से दलील दी गई कि दोनों बालिग हैं और लंबे समय से सहमति से संबंध में थे। करीब तीन साल बाद एफआईआर दर्ज कराई गई,इसलिए उसे झूठा फंसाया गया है। राज्य ने जमानत का विरोध करते हुए आरोपों की गंभीरता और जांच में मिले साक्ष्यों का हवाला दिया। हाईकोर्ट को बताया गया कि पीड़िता अनुसूचित जनजाति की विधवा है और आरोपी पुलिस कर्मचारी होने के कारण अपनी वर्दी और परिस्थिति का फायदा उठा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी के खिलाफ 2023 से लगातार जबरन संबंध बनाने,गर्भावस्था और गर्भपात,धमकी,फोटो वायरल करने और दो लाख रुपए लेने जैसे गंभीर आरोप हैं। दस्तावेज और पीड़िता की स्थिति को देखते हुए यह मामला उस फैसले से अलग है।

रायपुर में गर्लफ्रेंड को जिंदा जलाने की कोशिश,पेट्रोल डालकर लगाई आग

रायपुर,14 सितंबर 2026। रायपुर में बॉयफ्रेंड ने सड़क पर गर्लफ्रेंड पर पेट्रोल उड़ेलकर उसे जिंदा जलाने की कोशिश की। मौके पर पहुंचे लोगों ने किसी तरह आग बुझाई और महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। महिला की हालत गंभीर है और उसका मेकाहारा अस्पताल में इलाज जारी है। पीड़ित महिला की पहचान राजकुमारी साहू के रूप में हुई है। वह आरंग की रहने वाली है। पुलिस के मुताबिक,महिला और आरोपी के बीच लव अफेयर था। शादी के बाद महिला ससुराल पक्ष से अलग रह रही थी। वहीं,घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक,आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शराब बेचते शिक्षक...शराब दुकान का सुपरवाइजर,सेल्समैन गिरफ्तार

आर्टिका कार से भारी मात्रा में देशी पव्वा जब्त

रायपुर,14 सितंबर 2026। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में रायपुर ग्रामीण के थाना आरंग पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने लग्जरी आर्टिका कार CG 04 QB देशी मसाला शराब जब्त कर 7 आरोपियों को पकड़ा है। हैरानी की बात ये है कि पकड़े गए आरोपियों में शराब दुकान का सुपरवाइजर, सेल्समैन,मल्टी वर्कर और एक सरकारी शिक्षक भी शामिल है। दरअसल ग्रामीण एसपी के निर्देश पर थाना आरंग पुलिस की टीम गश्त पर थी। इसी बीच आज 14 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग की आर्टिका कार क्रमांक CG 04 QB 5200 में ग्राम गुल्लू शराब भट्ठी से भारी मात्रा में शराब भरकर ग्राम रानीसागर की ओर अवैध बिक्री के लिए ले जाई जा रही है।

भारी मात्रा में शराब जब्त : इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए टीम ने ग्राम रानीसागर हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी कर कार को रोका। कार में चालक सहित 6 लोग बैठे थे। तलाशी लेने पर कार से 160 नग पाव देशी मसाला शराब कीमत 16,000 रुपये जब्त की गई। पूछताछ में आरोपियों ने अवैध रूप से बिक्री के लिए ले जाना स्वीकार किया। परिवहन में प्रयुक्त आर्टिका कार कीमत करीब 8 लाख रुपये कीमत 8,16,000 को जप्त किया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जाँच में लिया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)